INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

# यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP
Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-121 | सांध्य दैनिक | मथुरा, शनिवार, 27 जून 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

## द्वितीय पुण्यतिथि

## स्व. श्री नरेन्द्र कुमार अग्रवाल जी

जन्म 1956 देहावसान 2024

**पापा, दो साल बीत गए, पर आपकी यादें आज भी दिल में बसी हैं,**
**आपकी बातें, आपका स्नेह और आपकी सीख, हर कदम पर हमारे साथ रही हैं।**
**28 जून की तारीख फिर से आपकी यादों का कारवाँ लेकर आएगी,**
**आपकी कमी आज भी हमारी आँखों को नम कर जाएगी।**
**आपके बिना घर तो है, पर वो अपनापन कहीं खो सा गया है,**
**आपके जाने के बाद हर खुशी में एक खालीपन सा हो गया है।**
**बस यही दुआ है भगवान से, हर जन्म में आपका ही आशीर्वाद मिले,**
**और फिर से हमें आपकी बेटी कहलाने का सौभाग्य मिले।**

पल्लवी, पुष्पांजली, कमली (पुत्री)

*श्रद्धानवत्*

श्रीमती विजयलक्ष्मी अग्रवाल (धर्मपत्नी)
पल्लवी–राकेश अग्रवाल, पुष्पांजली–विशाल अग्रवाल (पुत्री–दामाद)
कु. कमली सिंघल (पुत्री) संतोष कुमार अग्रवाल, आनंद वल्लभ अग्रवाल (चाचा)
सुरेन्द्र कुमार अग्रवाल, संजय कुमार अग्रवाल,
दीनबंधू अग्रवाल विवेक कुमार अग्रवाल C.B (भाई)
आशा–कन्हैया लाल अग्रवाल, सुनीता–विजय गर्ग (बहन–बहनोई)
क्रिश, माधव, सिद्धार्थ (धेवते) दीपक सिंघल (भतीजा) शिवांश, पारवी (नाती, नातिन)

**प्रतिष्ठान**

- वी.आर. गिलट ऑरनामेंट्स (गऊघाट, मथुरा)
- के. एस. क्रिएशन (कृष्णा नगर, मथुरा)
- श्री पायल ट्रेडिंग कम्पनी (चौक बाजार, मथुरा) मों. 8077153553, 9870983451

INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

# यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-121 | सांध्य दैनिक | मथुरा, शनिवार, 27 जून 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

### एमवीडीए और फायर विभाग की कार्रवाई

# गोविंद नगर में छह होटल और गेस्ट हाउस सील

प्रशासन की कार्रवाई के बाद होटल लड्डू गोपाल मे लगी सील। गोविंद नगर स्थित होटल जयंती धाम में लगी सील।

गोविंद नगर के एक होटल में अभिलेख देखते सिटी मजिस्ट्रेट अनुपम कुमार मिश्र. सीएफओ अरुण कुमार सिंह आदि।

**यूनिक समय, मथुरा।** लखनऊ अग्निकांड के बाद जिले में होटल, गेस्ट हाउस, कोचिंग सेंटर और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा जांच तेज कर दी गई है। शनिवार को सिटी मजिस्ट्रेट अनुपम कुमार मिश्रा के नेतृत्व में एमवीडीए और फायर विभाग की संयुक्त टीम ने श्रीकृष्ण जन्मभूमि क्षेत्र के गोविंद नगर में करीब 16 होटल और गेस्ट हाउसों का निरीक्षण किया। जांच के दौरान छह होटल और गेस्ट हाउसों में फायर सुरक्षा व्यवस्था और अन्य आवश्यक मानकों का पालन नहीं मिलने पर उन्हें सील कर दिया गया। वहीं कई संचालकों को आवश्यक सुरक्षा मानक जल्द पूरे करने के निर्देश देते हुए कड़ी चेतावनी दी गई।

## श्रीकृष्ण जन्मभूमि क्षेत्र में 16 प्रतिष्ठानों की जांच

## बिना फायर सुरक्षा,मानकों का पालन न करने पर कार्रवाई

## कई संचालकों ने बंद किए प्रतिष्ठान

## कार्रवाई का विरोध, अधिकारी आए मौके पर

सील और निरीक्षण के कार्रवाई के दौरान कुछ व्यापारियों ने विरोध किया तो विप्रा के अधिकारी चार होटल- गेस्ट हाउस को सील करके पीछे हट गए। निरीक्षण के दौरान कुछ होटल संचालकों और अधिकारियों के बीच कहासुनी भी हुई। ऐसी जानकारी पर सिटी मजिस्ट्रेट अनुपम कुमार मिश्र मौके पर पहुंचे और स्थिति को देखते हुए पुलिस बल बुलाया गया, जिसके बाद कार्रवाई पूरी कराई गई।

कार्रवाई की सूचना मिलते ही क्षेत्र में हड़कंप मच गया। कई होटल संचालकों ने अपने प्रतिष्ठानों के शटर बंद कर दिए, जबकि कुछ मौके से चले गए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बंद मिले प्रतिष्ठानों की भी जांच की जाएगी और नियमों का उल्लंघन मिलने पर उनके खिलाफ भी सीलिंग सहित सख्त कार्रवाई होगी। सुरक्षा मानकों से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। कार्रवाई के दौरान मुख्य अग्निशमन अधिकारी अरुण कुमार सिंह, फायर अधिकारी नरेश कुमार सिंह, फायर विभाग के कर्मचारी और एमवीडीए की टीम मौजूद रही।

# अफगानिस्तान में भूकंप
## दिल्ली–एनसीआर तक झटके

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** शनिवार शाम करीब सात बजे के बाद अफगानिस्तान के कालाफगन से करीब 81 किलोमीटर दूर 6.2 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान–ताजिकिस्तान सीमा के पास था। इसकी गहराई 192 किलोमीटर दर्ज की गई, जिसके कारण इसके झटके दूर–दूर तक महसूस किए गए।

भूकंप का असर भारत, पाकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, चीन, अफगानिस्तान और किर्गिस्तान तक देखा गया। भारत में जम्मू–कश्मीर, पंजाब और दिल्ली–एनसीआर समेत उत्तर भारत के कई हिस्सों में लोगों ने धरती में कंपन महसूस किया।

हल्के से मध्यम झटके महसूस होने के बाद जम्मू–कश्मीर के श्रीनगर, बारामुला, कुपवाड़ा और

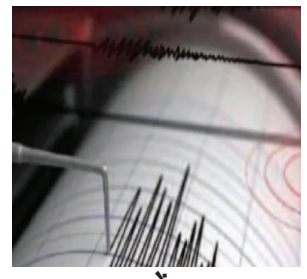

## उत्तर भारत में महसूस हुए झटके

जम्मू सहित कई इलाकों में लोग सुरक्षा के लिहाज से घरों और कार्यालयों से बाहर निकल आए। वहीं, गुरुग्राम में भी कुछ सेकंड तक भूकंप के झटके महसूस किए गए। फिलहाल जम्मू–कश्मीर या देश के अन्य प्रभावित क्षेत्रों से किसी प्रकार के जान–माल के नुकसान की सूचना नहीं है। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी ने भूकंप की पुष्टि की है।

## 15 केंद्रों पर दो जुलाई से होगी यूपीटीईटी परीक्षा

**यूनिक समय, मथुरा।** उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग प्रयागराज ने यूपीटीईटी–2026 के लिए जनपद में 15 परीक्षा केंद्र बनाए गए है। शिक्षक पात्रता परीक्षा दो, तीन और चार जुलाई को आयोजित होगी। परीक्षा के लिए किशोरी रमण गर्ल्स इंटर कॉलेज, डीएवी इंटर कॉलेज, गवर्नमेंट इंटर कॉलेज, पोद्दार इंटर कॉलेज, सेंट्रल इंटर कॉलेज और जवाहर विद्यालय सहित अन्य विद्यालयों को केंद्र बनाया गया है। सभी केंद्रों पर केंद्र अधीक्षक तैनात कर दिए गए हैं। प्रशासन ने परीक्षा को पारदर्शी ढंग से कराने के लिए जिला विद्यालय निरीक्षक और अन्य अधिकारियों के साथ बैठक मे जरुरी निर्देश दिए।

# मुख्य मार्गों पर पार्किंग की व्यवस्था, चिन्हित किए स्थान

**यूनिक समय, मथुरा।** शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने और जाम की समस्या से राहत दिलाने के लिए नगर निगम ने मुख्य मार्गों पर सड़क किनारे पार्किंग के लिए कई स्थान चिन्हित किए हैं। निगम ने ऐसे प्रतिष्ठानों और स्थानों का चयन किया है, जहां सड़क की पटरी के किनारे वाहन सुरक्षित रूप से खड़े किए जा सकते हैं। नगर निगम के अनुसार, नए बस अड्डे से भूतेश्वर रोड पर बीएसए कॉलेज के सामने स्थित एचडीएफसी बैंक, महोली रोड पर मनोज नगर स्थित कैनरा बैंक, भूतेश्वर तिराहे से गोवर्धन चौराहे के बीच विपिन नर्सिंग होम, दीप नर्सिंग होम, मेहता नर्सिंग होम और गोवर्धन चौराहा पार्किंग के लिए चिन्हित किए गए हैं। इसके अलावा मंडी चौराहा, गोकुल रेस्टोरेंट से मसानी चौराहा तक, बिरला मंदिर, स्टेट बैंक चौराहे से भरतपुर गेट चौराहे तक अशोक हॉस्पिटल, पंजाब नेशनल बैंक और एक्सिस बैंक के सामने, कृष्णापुरी तिराहा को भी सड़क किनारे पार्किंग के लिए चयनित किया गया है।

### डिजिटल बदलाव के बावजूद चुनौतियों से जूझ रहे छोटे उद्योग

# आधे कारोबारियों को सप्लायर और लोन की परेशानी

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस पर जारी एक सर्वे ने देश के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की वर्तमान स्थिति और भविष्य की संभावनाओं की तस्वीर सामने रखी है। लोकल सर्किल्स के सर्वे के अनुसार, डिजिटल तकनीक तेजी से अपनाई जा रही है, लेकिन सही सप्लायर, वित्तीय सहायता और भुगतान जैसी बुनियादी समस्याएं आज भी छोटे कारोबारियों के सामने बड़ी चुनौती बनी हुई हैं। देश के 137 जिलों के 16 हजार से अधिक छोटे व्यापारियों की भागीदारी वाले इस सर्वे में सामने आया कि करीब 50 प्रतिशत कारोबारियों को उपयुक्त सप्लायर खोजने, जीएसटी नियमों के अनुरूप इनवॉइस तैयार करने,

कच्चे माल की कीमतों में उतार–चढ़ाव और समय पर लोन या भुगतान मिलने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

सर्वे के अनुसार, देश के लगभग 70 प्रतिशत एमएसएमई में 10 या उससे कम कर्मचारी कार्यरत हैं। इनमें से 34 प्रतिशत कारोबारी अकेले ही अपना व्यवसाय संचालित करते हैं। अधिकांश छोटे उद्योग सेवा क्षेत्र, विनिर्माण और खुदरा–थोक व्यापार से जुड़े हुए हैं।

## अगले दो वर्षों में बी2बी कारोबार बढ़ने की उम्मीद

डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग भी तेजी से बढ़ रहा है। पिछले दो वर्षों में ऑनलाइन थोक बाजार पर निर्भरता में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। कई कारोबारियों ने बताया कि ऑनलाइन माध्यम से नए सप्लायर तक पहुंच आसान हुई है, खरीद प्रक्रिया पहले की तुलना में अधिक सुविधाजनक बनी है।

भविष्य को लेकर भी कारोबारी काफी आशावादी हैं। करीब 80 प्रतिशत व्यापारियों का मानना है कि अगले दो वर्षों में व्यापारी–से–व्यापारी (बी2बी) कारोबार और तेजी से बढ़ेगा। वहीं 60 प्रतिशत उत्तरदाताओं का विश्वास है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित टूल्स और ऑटोमेशन तकनीक खरीद प्रक्रिया को सरल और अधिक प्रभावी बनाएगी। सर्वे यह भी संकेत देता है कि आने वाले समय में छोटे उद्योग इंटरनेट आधारित थोक बाजार, एआई तकनीक, डिजिटल सॉफ्टवेयर और नए सप्लायर नेटवर्क का अधिक उपयोग करेंगे। हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि एमएसएमई क्षेत्र की वास्तविक प्रगति के लिए आसान ऋण व्यवस्था, समय पर भुगतान और मजबूत सप्लाई चेन जैसी मूलभूत चुनौतियों का समाधान करना भी उतना ही आवश्यक होगा।

### 33.25 लाख पौधों से होगा धरा का श्रृंगार

# आखिर बचेंगे कितने पौधे !

## जनपद में कुल 39.42 लाख पौधों के रोपण का मिला लक्ष्य

**यूनिक समय, मथुरा।** धरा पर हरियाली बढ़ाने के लिए इस बार जिले में 39.42 लाख पौधों रोपे जाएंगे। इसमें सबसे ज्यादा पौधे रोपने का काम वन विभाग और ग्राम्य विकास विभाग के अलावा कृषि विभाग करेगा। वन विभाग की नर्सरियों में करीब 56 लाख पौधे तैयार भी हैं। वैसे, अधिकारियों का दावा है कि पर्यावरण दिवस पर पांच जून को जिले भर में 6.17 लाख पौधे रोपे गए थे।

जुलाई माह में शासन के निर्देश पर जिले में पौधारोपण होगा। जिला वृक्षारोपण समिति ने पौधारोपण के लिए विभागवार लक्ष्य भी जारी किया है। इस साल जिले में 39.42 लाख पौधे रोपने का लक्ष्य जारी हुआ है, जिसमें से वन

विभाग को 4.52 लाख पौधे रोपने का लक्ष्य मिला है, जबकि पार्यवरण विभाग को दो लाख पौधे रोपने का लक्ष्य मिला है। वहीं, ग्राम्य विकास विभाग को सबसे ज्यादा 16.38 लाख पौधे रोपने का काम कराना होगा। उद्यान विभाग भी 2.02 लाख रोपित कराएगा।

धरा की हरियाली में कृषि विभाग भी 4.50 लाख पौधे रोपकर सहयोग करेगा, जबकि नगर विकास विभाग 39,900 पौधे करने का काम करेगा। इसके अलावा मंडी समिति 31 हजार, लोक निर्माण विभाग 23,800, स्वास्थ्य विभाग 32 हजार और जलशक्ति विभाग भी 26 हजार पौधे रोपित करके हरियाली सहेजेगा। उद्योग विभाग को भी 39,900 पौधे रोपने होंगे, जबकि उच्च शिक्षा विभाग को 31,300, सहकारिता विभाग को 8800, माध्यमिक शिक्षा विभाग को 14,400, बेसिक शिक्षा विभाग को 17 हजार पौधे रोपित कराने होंगे। इसके अलावा श्रम विभाग, परिवहन विभाग, विद्युत विभाग को भी पौधे रोपने का काम करना होगा।

### 6.17 लाख पौधे रोपने का दावा

कई विभागों ने पांच जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर 6.17 लाख पौधे रोपने का दावा किया है, यह बात अलग है कि रोपे गए अधिकांश पौधे सूख गए हैं, पत्तियां सूख कर गिर गई हैं। पर्यावरण दिवस पर पौधे रोपने वाले विभागों में वन विभाग 16 हजार, ग्राम्य विकास विभाग 4,29000, उद्यान विभाग 67 हजार, कृषि विभाग 1,01 लाख और नगर विकास विभाग चार हजार शामिल हैं।

### वन विभाग के पास 56 लाख पौधे हैं तैयार

प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी वेंकटा श्रीकर पटेल ने बताया कि आगामी जुलाई माह में रोपित करने के लिए वन विभाग के पास 36 लाख पौधे उपलब्ध हैं। यह विभाग की 18 नर्सरियों में तैयार किए गए हैं। पौधों के संरक्षण का दायित्व संबंधित विभाग को ही करना होता है।

# मंदबुद्धि युवक ने यमुना में छलांग लगाई

**यूनिक समय, मथुरा।** थाना सदर क्षेत्र स्थित यमुना पुल से एक मंदबुद्धि युवक ने यमुना में छलांग लगा दी। एक बार मल्लाहों ने उसे बचा लिया, लेकिन दूसरी बार वह गहरे पानी में जाकर डूब गया। पुलिस ने युवक का शव बरामद किया। मृतक अपनी मां से शादी कराने की जिद करता था।

थाना गोविंद नगर क्षेत्र के महाविद्या पानी की टंकी के पास रहने वाले मंद बुद्धि युवक मनीष का शव शनिवार सुबह यमुना में मिल गया। परिजनों ने बताया कि वह शुक्रवार 26 जून को दोपहर करीब 2 बजे घर से निकलने के बाद लक्ष्मी नगर यमुना के पुल पहुंचा और यमुना में छलांग लगा दी। प्रत्यक्षदर्शी नाविकों ने पहली बार उसे बचाकर बाहर निकाला और काफी समझाने के बाद वहां से भेज दिया। लेकिन कुछ देर बाद युवक दोबारा यमुना में कूद गया, जहां वह यमुना की दलदल में फंस कर डूब गया। कल उसका शव बरामद नहीं हो सका था। शनिवार सुबह जब परिजन उसे तलाश करते हुए यमुना के पुल पर पहुंचे तो वहां मौजूद निषादों ने परिवार के लोगों को बताया कि यही युवक शुक्रवार को यमुना में कूदा था, जिसका शव शनिवार को अब बरामद हुआ है। परिवार के लोगों ने बताया कि मनीष मानसिक रूप से अस्वस्थ (मंदबुद्धि) था। वह अक्सर अपनी मां से कहता था, मेरी शादी करवा दो। मनीष की मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव को परिवारीजनों को सौंप दिया।

# ट्रेन से यात्रा करते यात्री की गिरकर मौत

**यूनिक समय, मथुरा।** कालका देवी के दर्शन करने को ट्रेन से जा रहा एक यात्री शनिवार को हैदराबाद दख्खन नई दिल्ली एक्सप्रेस से गिरकर घायल हो गया। इलाज के दौरान जिला अस्पताल में उसकी मौत हो गई। भूतेश्वर और वृंदावन रोड स्टेशन के बीच किलोमीटर संख्या 1403 के निकट हैदराबाद दख्खन नई दिल्ली एक्सप्रेस से 40 वर्षीय यात्री गिर गया। यात्री को गिरता देख उसके परिजनों ने चेन खींचकर ट्रेन को रोक दिया। इसी दौरान दिल्ली की ओर से आ रही गाड़ी सालासर सुपरफास्ट एक्सप्रेस के लोको पायलट ने ट्रेन को रोक दिया। परिजनों ने घायल को सालासर सुपरफास्ट एक्सप्रेस में रखा और इलाज के लिए जंक्शन लेकर आ गए। तब तक सालासर सुपरफास्ट एक्सप्रेस के लोको पायलट ने कंट्रोल को इसकी सूचना दे दी थी। ट्रेन जब जंक्शन पहुंची तो आरपीएफ के सिपाही पवन कुमार चौधरी, रेलवे चिकित्सक डा. धीरर गुप्ता ने घायल यात्री को चेक किया और इलाज के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। पवन कुमार चौधरी घायल को जिला अस्पताल ले गए। अस्पताल में इलाज के दौरान घायल यात्री ने दम तोड़ दिया। मृतक की पहचान रोमी पुत्र निरंजन निवासी कृष्णा नगर, प्रेम नगर थाना शाहगंज आगरा के रूप में हुई। मृतक के साढू आकाश ने बताया वह परिवार के साथ दिल्ली कालका देवी के दर्शन करने जा रहे थे। रोमी ट्रेन के गेट पर खड़े थे। इसी दौरान संतुलन बिगड़ जाने की वजह से चलती ट्रेन से नीचे गिर गए। जीआरपी थाना प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि ट्रेन से गिरकर घायल हुए यात्री की अस्पताल में मृत्यु हो गई। शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया।

### एनआरएलएम की नई योजना से अब नहीं हो सकेगा फर्जीवाड़ा

# समूह से जुड़ने के लिए अब चेहरे की पहचान जरूरी

**यूनिक समय, मथुरा।** राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के अंतर्गत स्वयं सहायता समूहों में नई सदस्य जोड़ने की प्रक्रिया में बदलाव किया गया है। अब समूह से जुड़ने की इच्छुक प्रत्येक महिला की पहचान तय प्रक्रिया के तहत की जाएगी। चेहरे की पहचान होने के बाद ही ग्रामीण महिलाएं समूह से जुड़ सकेंगी। नई योजना का उद्देश्य समूह में फर्जीवाड़ा का समाप्त करना है।

शासन ने अब समूह की सदस्य बनने को इच्छुक महिलाओं का आधार सत्यापन कराने के साथ फेस रिकग्निशन भी अनिवार्य कर दिया गया है। यह प्रक्रिया होने के बाद ही समूह में महिलाओं को सदस्यता दी जाएगी। नई व्यवस्था का उद्देश्य वास्तविक लाभार्थियों की पहचान तय करना और फर्जीवाड़े की संभावनाओं को समाप्त करना है। इससे समूह के गठन और संचालन में पारदर्शिता बढ़ेगी और सरकारी योजनाओं का लाभ सही महिलाओं तक पहुंचेगा।

फेस ऑथेंटिकेशन की सुविधा मोबाइल एप के माध्यम से उपलब्ध कराई गई है। इसके जरिए आधार से जुड़े बायोमैट्रिक डाटा का सत्यापन किया जाएगा।

वित्तीय वर्ष 2026–27 में जिले में नए समूह बनाने का लक्ष्य है। ऐसे नए समूह में महिलाओं को जोड़ा जाएगा। इसके लिए ग्राम स्तर पर अभियान चलाकर पात्र महिलाओं की पहचान की जा रही है।

नए समूह में पात्र गृहस्थी और अंत्योदय कार्ड धारक परिवार की महिलाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। इसका उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को स्वरोजगार दिलाकर आर्थिक रूप से सशक्त बनना है। अब तक महिलाओं को आधार सत्यापन के आधार पर समूहों में शामिल किया जाता था, लेकिन नई व्यवस्था लागू होने के बाद प्रक्रिया अधिक सुदृढ़ और तकनीकी आधारित हो गई है। अधिकारियों के अनुसार, इस नई प्रक्रिया से लाभार्थी की सही पहचान तय होगी और समूह के माध्यम से मिलने वाले ऋण, प्रशिक्षण और अन्य सुविधाओं का लाभ वास्तविक महिलाओं को मिल सकेगा।

उपायुक्त स्वतः रोजगार इंद्रपाल सिंह ने बताया कि नई प्रक्रिया के अंतर्गत ही समूह की महिलाओं को जोड़ा जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2026–27 का लक्ष्य विभाग को मिल चुका है। साल भर के लक्ष्य को महीनेवार डाटा तैयार कर महिलाओं को जोड़ने का काम किया जाएगा। जिले में अब तक करीब 83 सौ समूह संचालित हैं, जिनमें 85 हजार ग्रामीण महिलाएं जुड़ी हैं।

#### बायोमैट्रिक से तय होगी समूह की सदस्यता

#### फर्जीवाड़ा रोकने को बदली पूरी प्रक्रिया

# पींगरी में घर में घुसकर हमला, एक आरोपी दबोचा

#### भोर से पहले की वारदात, चार फरार

#### पुलिस ने पकड़े गए युवक को बताया विक्षिप्त

**यूनिक समय, फरह।** थाना फरह क्षेत्र के गांव पींगरी में शनिवार रात को एक ग्रामीण के घर में कुछ बदमाश घुस गए, परिवार पर हमला कर दिया। घटना से गांव में अफरा–तफरी और दहशत का माहौल बन गया। पुलिस ने पकड़े गए युवक से काफी समय तक पूछताछ की, लेकिन वह संतुष्ट उत्तर नहीं दे सका, बाद में उसे विक्षिप्त मानकर थराने लाने वालों के सुपुर्द कर दिया।

ग्रामीणों के अनुसार, आज भोर से पहले करीब चार बजे आधा दर्जन के करीब हमलावर अचानक भरत सिंह के घर में घुस गए और हाथापाई मारपीट शुरू कर दी। शोर–शराबा सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों को आता देख हमलावर भागने लगे। इस दौरान ग्रामीणों ने पीछा कर एक आरोपी को पकड़ लिया, जबकि उसके पांच साथी मौके से फरार हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पकड़े गए आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। वहीं फरार आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है। पुलिस का कहना है कि एक युवक आज सुबह करीब पांच बजे एक ग्रामीण के दरवाजे में जाकर बैठ गया, भगाने पर अनाप-शनाप बात करने लगा। कुछ लोग थाने लाए, पूछताछ में वह अर्द्ध विक्षिप्त लगा, जिस पर उसे थाने लाने वालों को ही सौंप दिया। युवक के बदमाश होने की बात सही नहीं है।

# ससुराल में पिटाई से क्षुब्ध युवक ने लगाई फांसी

**यूनिक समय, मथुरा।** थाना हाईवे की चंदनवन फेस टू कॉलोनी में एक युवक ने फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली। आरोप है कि युवक पत्नी के बारे में जानकारी करने के लिए ससुराल गया तो वहां उसके साथ मारपीट की गई थी।

चंदनवन फेस टू में रहने वाले युवक भूपेंद्र सिंह (26) पुत्र मदनलाल की ससुराल थाना फरह के गांव झंडीपुर में थी। बताया गया कि उसकी पत्नी का करीब एक महीने पहले पेट का ऑपरेशन हुआ था। ऑपरेशन कराने के बाद पत्नी मंडी समिति इलाके में रहने वाले जीजा धांसू के घर पर रह रही थी। भूपेंद्र कल प्रातः पत्नी के बारे में जानकारी करने के लिए ससुराल गया। वहां उसकी किसी बात को लेकर ससुरालीजनों से कहासुनी हो गई। ससुराल में उसके साथ मारपीट कर दी गई। ससुराल में हुई मारपीट से क्षुब्द होकर सायं को उसने घर पर फांसी लगा ली। परिवार के लोगों का कहना है किइस बात की जानकारी होने पर भूपेंद्र को फांसी के फंदे से उतारकर अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस को भी इस बारे में सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के एक बेटे की मौत बीमारी के चलते पहले हो चुकी है। परिवार में एक बेटा और पत्नी ही हैं।

# हाइवे पर अनियंत्रित ट्रक पलटा चालक घायल, लगा जाम

**यूनिक समय, मथुरा।** थाना छाता क्षेत्र स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग 19 पर बीती रात फ्लाईओवर पर कॉटन लेकर जाता ट्रक डिवायडर पर चढ़ने के बाद पलट गया। दुर्घटना में चालक गंभीर घायल हो गया। इसके साथ ही राष्ट्रीय राजमार्ग पर जाम लग गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल चालक को अस्पताल पहुंचाया और दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को हटवाने के बाद मार्ग को आवागमन के लिए सुचारू किया।

बीती रात राष्ट्रीय राजमार्ग पर पंजाब से नागपुर के लिए ओवर लोड कॉटन (रुई) भरकर एक ट्रक जा रहा था। थाना क्षेत्र में नई तहसील के सामने ट्रक अचानक अनियंत्रित होकर डिवायडर पर चढ़ने के बाद पलट गया। बताया गया कि ट्रक पलटने से हाइवे पर वाहनों का आवागवन प्रभावित हुआ। कुछ ही देर में वाहनों की लंबी कतारे लग गई। दुर्घटना का पता लगने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त ट्रक से घायल चालक को निकाला और एंबुलेंस से हॉस्पिटल पहुंचाया। पुलिस ने काफी प्रयास के बाद स्थानीय लोगों की सहायता से क्रेन के माध्यम से दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को हटवाया, इसके बाद हाईवे पर लगे जाम को खुलवाया।

#### पुलिस ने ट्रक को हटवा कर जाम खुलवाया

# पुलिस ने गिरफ्तार किए दो शराब तस्कर

**यूनिक समय, कोसीकलां मथुरा।** कोसी कलां पुलिस ने चेकिंग के दौरान दो शराब तस्करों की सेंट्रो कार को रोक कर उससे पांच पेटी देशी शराब हरियाणा मार्का बरामद की है। बठैन गेट पुलिस चौकी के इलाके में परमानंद गार्डन के सामने सर्विस रोड पर गोपाल बाग वाला नया रोड तिराहे से चेकिंग के दौरान वहां से गुजरती एक सेंट्रो कार को पुलिस ने चेकिंग के लिए रोक लिया। कार में दो युवक सवार थे। पुलिस ने चेकिंग के दौरान कार से पांच पेटी देशी शराब मस्ताना ब्रांड हरियाणा मार्का बरामद की। पुलिस के अनुसार, शराब तस्करी में गिरफ्तार अभियुक्तों में प्रेम सिंह और रविंद्र निवासी ग्राम हुलवाना थाना कोसीकलां हैं।

#### सेंट्रो कार से ला रहे थे हरियाणा से पांच पेटी देशी शराब

# भूसे की बुर्जी में लगी आग

**यूनिक समय, मथुरा।** थान जैंत के गांव नगला सुम्मेरा में एक किसान के खेत में लगी भूसे की बुर्जी में आग लग गई। आग से किसान का 16 टन भूसा आग की भेंट चढ़ गया।

नगला सुम्मेरा निवासी किसान कप्तान सिंह के खेत में लगी भूसे की बुर्जी में बीती रात करीब 12 बजे किसी असमाजिक तत्व द्वारा आग लगा दी। भूसे की बुर्जी मेंलगी आग को देख ग्रामीणों ने उसे बुझाने का प्रयास किया। डायल 112 और फायर ब्रिगेड को भी सूचना दी गई। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने आग को काबू किया, लेकिन आग तब तक भूसा जल चुका था। किसान कप्तान का कहना है कि उसने पशुओं के चारे के लिए पूरे साल का भूसा बुर्जी में भर रखा था। भूसा जल जाने के कारण पशुओं को चारे की दिक्कत आ जएगी।

# ई–रजिस्ट्री प्रणाली में फायदे कम, ज्यादा हैं नुकसान

**यूनिक समय, मथुरा।** सरकार द्वारा शुरू की जाने वाली ई–रजिस्ट्री का विरोध करने वाले दस्तावेज लेखक, अधिवक्ता इससे होने वाले नुकसान को गिना रहे हैं। ई–रजिस्ट्री प्रणाली के लागू होने से लाखों परिवारों के सामने रोजी-रोटी की समस्या तो पैदा होगी, जबकि रजिस्ट्री कराने वालों को भी नुकसान होगा।

उत्तर प्रदेश सरकार ने संपत्ति पंजीकरण प्रक्रिया को अधिक सरल, पारदर्शी और नागरिकों के अनुकूल बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। ई–रजिस्ट्री व्यवस्था लागू की जा रही है, जिसके माध्यम से विकास प्राधिकरणों और आवास विकास

## दस्तावेज लेखकों ने गिनाए ई–रजिस्ट्री के नुकसान

परिषद की संपत्तियों की रजिस्ट्री अब ऑनलाइन प्रक्रिया के जरिए होंगी। नई व्यवस्था के लागू होने से लोगों को बार–बार निबंधन कार्यालय के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी, पूरी प्रक्रिया अधिक तेज तथा सुविधाजनक बन सकेगी।

जानकारों का कहना है कि राज्य सरकार के इस निर्णय का उद्देश्य संपत्ति पंजीकरण प्रणाली में आधुनिक तकनीक का उपयोग कर पारदर्शिता बढ़ाना, भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी की संभावनाओं को कम करना है। ई–रजिस्ट्री प्रक्रिया में बायोमेट्रिक सत्यापन, डिजिटल हस्ताक्षर और आधार आधारित ई–केवाईसी को अनिवार्य बनाया गया है।

विशेषज्ञों का मानना है कि डिजिटल सत्यापन प्रणाली से फर्जी दस्तावेजों और जालसाजी के मामलों में कमी आएगी।

वही, इसका विरोध करने वाले प्रणाली में खामियां बता रहे हैं।

## हमारी भी सुनिए

निबंधक समिति के जिलाध्यक्ष सुरेश चौधरी ने बताया कि सरकार अपने कर्मचारियों पर विश्वास न करके ठेके पर काम करने वाले लोगों पर भरोसा कर रही है, जिनकी कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। काम कराने के लिए कंपनी को भारी रकम देनी पड़ेगी। बिना सरकार से कुछ लिए दस्तावेज लेखक और अधिवक्ता वर्षों से रजिस्ट्री करा रहे हैं। ठेके के बाद इनके परिवारों के सामने रोजी रोटी की समस्या, खड़ी हो जाएगी।

कातिब द्वारिका प्रसाद का कहना है कि नई व्यवस्था से स्टांप चोरी होगी, रजिस्ट्री कराने वालों से मनमानी फीस भी वसूली जाएगी, स्टांप शुल्क भी बढेगा। कंपनी के कर्मचारी सत्यापन के नाम पर रजिस्ट्री कराने वालों से अवैध वसूली करेंगे। साइबर अपराध भी बढ़ेंगे। किसान एक बीघा जमीन बिक्री करना चाहता है, ऑन लाइन रजिस्ट्री में अगर एक के स्थान पर चार कर दिया गया तो उसकी सारी जमीन खरीदार के नाम हो जाएगी।

## आपकी आवाज बनेगा हमारा अभियान

जनहित से जुड़े मुद्दों को उजागर करने और आम जनता की समस्याओं को संबंधित विभागों तक पहुंचाने के लिए हम आपके सहयोग की अपेक्षा करते हैं। यदि आपके क्षेत्र में किसी भी विभाग से संबंधित कोई समस्या, अव्यवस्था, लापरवाही, भ्रष्टाचार, गंदगी, टूटी सड़क, जलभराव, बिजली–पानी की समस्या अथवा अन्य कोई जनहित का मामला है, तो उसकी जानकारी हमें भेजें। समस्या से संबंधित स्पष्ट फोटो या वीडियो के साथ संक्षिप्त विवरण उपलब्ध कराएं। आपकी ओर से प्राप्त जानकारी को प्रमुखता से प्रकाशित कर संबंधित अधिकारियों एवं विभागों तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा, ताकि समस्या के समाधान में मदद मिल सके।

**आपकी जागरूकता, समाज के विकास की ताकत है।**

**–संपादक**

टेलीफोन : 0565–3550761 मोबाइल : 8394983366

# 30 जून को होगा राज्य स्तरीय सहकारिता सम्मेलन

कार्यक्रम के बारे में मंथन करते जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष निरंजन सिंह धनगर, साथ हैं संबधित अधिकारी।

**यूनिक समय, मथुरा।** सहकारिता मंत्रालय की स्थापना के पांच वर्ष पूर्ण होने पर छह जुलाई तक सहकारिता सप्ताह मनेगा। शासन के अधिकारियों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य स्तरीय सहकारिता सम्मेलन और सप्ताह भर चलने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा की।

30 जून को सुबह 10 बजे लखनऊ स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में राज्य स्तरीय सहकारिता सम्मेलन आयोजित होगा।

सहकारिता सप्ताह के अंतर्गत एक जुलाई से महिला सदस्यता अभियान चलाया जाएगा, जिसमें प्रत्येक समिति में कम से कम 100 नई महिला सदस्यों को जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। दो को निबंध और वाद–विवाद प्रतियोगिताओं का आयोजन, तीन जुलाई को डिजिटल डे मनाया जाएगा। इस दिन सहकारी समितियों में उर्वरक सहित अन्य भुगतान केवल डिजिटल माध्यम से किए जाएंगे।

चार जुलाई को समिति स्तर पर शपथ ग्रहण कार्यक्रम होगा। जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष निरंजन सिंह धनगर ने जनपद की सभी सहकारी समितियों के अध्यक्षों और सचिवों से

## छह जुलाई तक मनाया जाएगा सहकारिता सप्ताह

सहकारिता सप्ताह के सभी कार्यक्रमों को सफल बनाने को कहा है। बैठक में जिला सहकारी बैंक के उपमहाप्रबंधक दमन लाल शर्मा, सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता अभिषेक कुमार मिश्र सहित विभाग के अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

## तापमान / मौसम

39 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

27 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

## सोना–चांदी भाव

**सोना**

24 कैरेट 1,41,750

22 कैरेट 1,29,937

(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

**चांदी**

2,34,900 प्रति किलो

# प्रतिभा प्रोत्साहन के संरक्षक थे छत्रपति शाहूजी

मैडल और प्रमाण पत्रों के साथ मौजूद कार्यक्रम में सम्मानित बेटियां।

**यूनिक समय, मथुरा।** गोवर्धन रोड स्थित गांव जिखिन गांव में कोल्हापुर नरेश छत्रपति शाहूजी को 152 वीं जयंती पर डॉ आंबेडकर पार्क में पुष्पांजलि दी गई। रक्तदान, छात्र–छात्राओं का प्रतिभा प्रोत्साहन संदेश कुमार कैन के नेतृत्व में हुआ।

शुभारंभ बहुजन साहित्यकार गायक नेत्रपाल बृजवासी, समाजसेवी कुंजी पंडित पूर्व जिला पंचायत सदस्य, मुख्य वक्ता एडवोकेट अरविंद कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से छत्रपति शाहूजी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया। वक्ताओं ने छत्रपति शाहूजी के जीवन की प्रमुख प्रेरक घटनाओं पर प्रकाश डाला। इस दौरान सभी वर्गों के सैकड़ों रक्तदाताओं और छात्र–छात्राओं को प्रशस्ति पत्र, मेडल देकर प्रोत्साहित किया। बुजुर्गों और महिलाओं को छत्रपति शाहूजी का स्मृति चिन्ह दिया गया। धर्मवीर कलाकार ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में लोगों का मन मोह लिया। अध्यक्षता दयाशंकर कर्दम ने और संचालन नरेश चौधरी ने किया।

इस अवसर पर पर एडवोकेट प्रवीण भास्कर,एडवोकेट रवि कुमार, ठाकुर पंकज सिंह, विष्णु सैनी, रमेश सैनी, रामचल मौर्या,संतोष सैनी, लालचंद कैन,सीएस आनंद, राजन सिंह, आरपी राठौर,ब्रजेश आंबेडकर, हाकिम कैन,आकाश कैन, संजय बीडीसी,संजय वाल्मीकि, साक्षी प्रजापति, पल्लवी राही, एड देवेंद्र कुमार, डॉ अरुण, जितेंद्र सिंह, रोहतास बोरा, विजेंद्र सिंह बौद्ध, शकील कुरेशी, नरेश चौधरी, एड बाल स्वरूप गुर्जर, श्रीमती कमलेश, प्रीति, संजना शर्मा,आकाश बाबू, सागर सिंह, कुलदीप कुमार, सुमित कुमार, सचिन कुमार, हैप्पी,विसंबर दयाल कर्दम, संजय सैनी, पी पी सिंह, बुधीराम, ओम प्रकाश बघेल, संजय बघेल, राम श्री, सरोज, शीला, पुष्पा, अनोखी देवी, बर्फी, पूजा,शालू, निशि अन्य लोग मौजूद रहे।

# रालोद महासचिव के खिलाफ दर्ज हुई एफआईआर

**यूनिक समय, मथुरा।** थाना हाईवे में राष्ट्रीय लोकदल के महा सचिव के खिलाफ अनुसूचित जाति एंव अनुसूचित जन जाति नृशंसता निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। मुकदमा ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ एससी- एसटी ऑर्गेनाइजेशन के सचिव की शिकायत पर दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ एससी एसटी ऑर्गेनाइजेशन के सचिव राजिंद्र प्रसाद की शिकायत पर दर्ज मुकदमें में कहा गया है कि 27 मई 2025 को करीब दस बजे बीपी इमरेल्ड एक सभा के दौरान राष्ट्रीय लोकदल के महासचिव त्रिलोक त्यागी द्वारा सभा में अनुसूचित जाति जन जाति

## एससी- एसटी ऑर्गेनाइजेशन के सचिव ने की थी शिकायत

आयोग के लिए अपमानजनक और असंवैधानिक शब्दों का इस्तेमाल किया था। यह अनुछेद 338 के तहत संवैधिानिक गरिमा और अनुसूचित जातियों की गरिमा का उलंघन है। राजेद्र प्रसाद ने शिकायत में कहा है कि उन्होंने 30 जुलाई 2025 को शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद भी अभी तक इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं हुई। थाना प्रभारी निरीक्षक हाईवे प्रशांत कपिल का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

# पांच साल तक के हर बच्चे को जरूर पिलाएं दो बूंद जिंदगी की

**यूनिक समय, मथुरा।** जिले में 28 जून से शुरू होने वाले राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान को सफल बनाने के लिए शनिवार को सीएमओ कार्यालय से पोलियो जागरूकता रैली निकाली गई। राज्यसभा सांसद तेजवीर सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना करते हुए अभिभावकों से अपील की कि वे पांच वर्ष से कम उम्र के सभी बच्चों को पोलियो की दो बूंद दवा जरूर पिलाएं।

रैली सीएमओ कार्यालय से शुरू होकर सिविल लाइंस, तहसील, कलेक्ट्रेट, पुलिस लाइन और राजीव भवन मार्ग से निकली। सीएमओ डॉ. राधा वल्लभ ने बताया कि 28 जून को पहले दिन जिले के 1,317 पोलियो बूथों पर बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जाएगी। इसके बाद 29 जून से तीन जुलाई तक छूटे हुए बच्चों को दवा दी जाएगी। वहीं छह जुलाई तक स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर–घर जाकर ऐसे बच्चों को भी पोलियो की दवा पिलाएंगी, जो किसी कारण से छूट गए है।

पोलियो जागरुकता रैली को हरी पताका दिखाकर रवाना करते राज्यसभा सांसद तेजवीर सिंह, साथ हैं सीएमओ डॉ.राधाबल्लभ, डा.रोहताश सिंह।

जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. रोहितास सिंह ने बताया कि इस अभियान के दौरान जिले के 4 लाख 98 हजार 815 बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। इस मौके पर डिप्टी सीएमओ डॉ. गोपाल गर्ग, डिप्टी डिप्टी सीएमओ डॉ. अनुज चौधरी, डिप्टी डिप्टी सीएमओ डॉ. वीडी गौतम, एएनएमटीसी की नोडल अधिकारी डॉ. स्वाती जाडिया, राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन के नोडल अधिकारी डॉ. सत्य प्रकाश राठौर, एनसीडी नोडल अधिकारी डॉ. पियूष सोनी, जिला आयुष अधिकारी डॉ. अनुज यादव, चंद्र प्रकाश मिश्रा,जितेंद्र सिंह,संजय सिहोरिया,पारुल शर्मा,एमपी सिंह, अर्निका,फौजिया खानम,संजय यादव,स्वीटी शुक्ला, राजकुमारी, राजेश कुमार, अनुराग शुक्ला, हरी सिंह और एएनएम, आशा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, एएनएमटीसी की छात्राएं और स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी मौजूद रहे।

## राज्यसभा सांसद तेजवीर सिंह ने पोलियो रैली को दिखाई हरी झंडी

## जिले के करीब पांच लाख बच्चों को पिलाई जाएगी पोलियो की दवा

## हंसता आईना

**यूनिक समय**

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

**कार्यालय:**– यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक–पवन गौतम

**फोन नंबर–0565–2420150,**

**मो. 9837155888**

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

# गर्मी की छुट्टियों के बाद स्कूलों में लौटी बच्चों की चहल-पहल

पीएमश्री प्राथमिक विद्यालय झीगुरपुरा में सहायक अध्यापिका सीमा यादव छात्रों को लूडो गेम सिखाते हुए। स्कूल में कैरम खेलते बच्चे।

## पढ़ाई के साथ खेलकूद ने बढ़ाया उत्साह

## गर्मी अवकाश के बाद खुले स्कूल, अभी कम पहुंचे बच्चे

## सरकारी स्कूलों का बदला माहौल बन रहा है अब आकर्षण

**यूनिक समय, मथुरा।** करीब एक महीने की गर्मी की छुट्टियों के बाद जिले के कक्षा एक से आठ तक के सरकारी स्कूल फिर से गुलजार हो गए हैं। स्कूल खुलते ही बच्चों की चहल-पहल लौट आई है। हालांकि अभी सभी बच्चे स्कूल नहीं पहुंचे हैं। बच्चे अपने दादा-दादी और नाना-नानी के घर छुट्टियां बिताने गए थे, जो धीरे-धीरे वापस लौट रहे हैं। वैसे, स्कूलों में पढ़ाई शुरू हो गई है और बच्चों में नया उत्साह दिखाई दे रहा है।

शनिवार को यूनिक समय की टीम ने प्राथमिक विद्यालय औरंगाबाद का हाल देखा तो यहां बच्चे अपनी-अपनी कक्षाओं में पढ़ाई करते मिले। मध्यावकाश में छोटे बच्चे कैरम बोर्ड खेलते नजर आए। बच्चों ने कहा कि पढ़ाई के साथ खेलना भी जरूरी है, इससे शरीर स्वस्थ रहता है और मन भी खुश रहता है। प्रधानाध्यापिका ममता शर्मा ने बताया कि स्कूल 25 जून से खुल गए हैं, लेकिन अभी सभी बच्चे नहीं आए हैं। कुछ बच्चे रिश्तेदारों के यहां से लौट रहे हैं, जबकि कुछ अभिभावकों ने बच्चे नहीं भेजे है। मुस्लिमों के बच्चे कम आए है। लंच में बच्चे लूडो खेल रहे थे। उन्होंने बताया कि हर साल सरकार के तरफ से पांच हजार रुपये खेल किट के लिए आते हैं। बच्चे भी पढ़ाई के साथ-साथ मन पसंद के खेल खेलते है।

वहीं, टीम जब पीएम श्री प्राथमिक विद्यालय झींगुरपुरा पहुंची तो शिक्षक बच्चों को पढ़ाते हुए दिखे। सहायक अध्यापिका सीमा यादव ने बताया कि अब सरकारी स्कूलों में केवल पढ़ाई ही नहीं, बल्कि बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास पर भी पूरा ध्यान दिया जाता है। लंच के बाद बच्चों को क्रिकेट, कबड्डी, बैडमिंटन, लूडो, रस्सीकूद और कई दूसरे खेल भी खिलाए जाते हैं। इससे बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ता है और स्कूल आने में उनकी रुचि भी बनी रहती है। सरकारी स्कूलों का माहौल अब पहले से काफी बदल चुका है। स्मार्ट तरीके से पढ़ाई, खेलकूद और नई गतिविधियों के कारण बच्चों का स्कूल से जुड़ाव बढ़ रहा है।

कक्षा चार की छात्रा तुलसी ने कहा

कि हमारे स्कूल में पढ़ाई बहुत अच्छी होती है। मैडम हमें हिंदी, अंग्रेजी और सामान्य ज्ञान भी पढ़ाती हैं। पढ़ाई के बाद खेल खेलने का समय मिलता है। इसलिए मुझे रोज स्कूल आना अच्छा लगता है।

कक्षा पांच की छात्रा लवली ने बताया

कि हमारे स्कूल में रोज कुछ नया सीखने को मिलता है। मैडम प्यार से पढ़ाती हैं और खेल भी खिलाती हैं। अब मुझे हर विषय अच्छे से समझ में आता है। मुझे अपने सरकारी स्कूल पर गर्व है।

# मिट्टी खनन में शामिल दो ट्रैक्टर पकड़े, पुलिस से कहा-सुनी

**यूनिक समय, फरह।** स्थानीय पुलिस ने कस्बा स्थित मखदूम गांव मार्ग पर मिट्टी का खनन करते दो ट्रैक्टर पकड़ लिए। इस दौरान खनन माफिया ने चेतक मोबाइल पर सवार पुलिसकर्मियों से कहा- सुनी भी की। पुलिस ने दोनों ट्रैक्टरों को सीज कर दिया है।

शनिवार को दो ट्रैक्टर पानी की टंकी के पास मिट्टी खनन कर रहे थे। चेतक टीम को जानकारी मिली तो पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। ट्रैक्टरों को रोका तो चालक और अन्य अभद्रता करते हुए कहा-सुनी पर उतर आए। सूचना पर थाने से पुलिस बल पहुंचा, तब ट्रैक्टर चालक राकेश और विजय को काबू में करके थाना लाया गया। प्रभारी निरीक्षक छोटे लाल ने बताया कि ट्रैक्टरों को सीज किया जा रहा है। चालकों पर कार्रवाई की जाएगी।

# बीएसए इंजीनियरिंग कालेज के बी.फार्मा विद्यार्थियों को दी विदाई

फेयरवैल में उपस्थित छात्र एवं छात्राएं।

## शिक्षा, अनुशासन और संस्कार ही जीवन की सबसे बड़ी पूंजी: चेयरमैन

## ध्रुव मिस्टर फेयरवेल और जानकी गौर को चुना गया मिस फेयरवेल

**यूनिक समय, मथुरा।** बीएसए कालेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी के डा. सीवी रमन सभागार में बी. फार्मा अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों का विदाई समारोह आयोजित हुआ। विभाग के जूनियर छात्र-छात्राओं की ओर से आयोजित कार्यक्रम में डांस, ग्रुप डांस, सिंगिग, मनोरंजक प्रतियोगिताएं भी हुईं। प्रतियोगिताओं के आधार पर ध्रुव को मिस्टर फेयरवैल और जानकी गौर को मिस फेयरवेल चुना गया।

इस अवसर पर संस्थान के चेयरमैन एडवोकेट उमाशंकर अग्रवाल ने विद्यार्थियों से कहा कि संस्थान से प्राप्त शिक्षा, अनुशासन और संस्कार ही जीवन की सबसे बड़ी पूंजी हैं। आप सभी अपने ज्ञान और कौशल के बल पर समाज और राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दें, संस्थान का नाम सदैव गौरवांवित करें। संस्थान के वाइस चेयरमैन इंजीनियर नितिन मित्तल और फार्मेसी निदेशक डॉ. राकेश कुमार ने छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि शिक्षा के दौरान सीखी गई बातें ही उन्हें जीवन की चुनौतियों से लड़ने में सक्षम बनाएंगी।

इस अवसर पर, डॉ. पूजा शर्मा, डॉ. वंदना सिकरवार, जोगेन्द्र, शोभित शर्मा, खुशबू चौधरी, अनुज सारस्वत, डॉ. शालू बघेल, नरेन्द्र, कृतिका अग्रवाल, शुभम सिंह, गीतिका, शिवानी शर्मा, ऋषभ और अश्वनी सहित विभाग के स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

# गर्मी को देखते हुए विद्यालय समय परिवर्तन की मांग

**यूनिक समय, मथुरा।** भीषण गर्मी और उमस को देखते हुए राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (प्राथमिक संवर्ग) ने बीएसए को भेजे पत्र में कक्षा एक से आठ तक संचालित परिषदीय विद्यालयों के समय में बदलाव की मांग की है। महासंघ के पदाधिकारियों का कहना है कि वर्तमान में विद्यालय सुबह आठ बजे से दोपहर दो बजे तक खुल रहे हैं। सुबह 10 बजे के बाद तेज धूप और उमस के कारण छोटे बच्चों को काफी परेशानी होती है। ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यालयों में पर्याप्त संसाधन और निर्बाध बिजली व्यवस्था न होने से बच्चों के स्वास्थ्य खराब होने की आशंका बनी रहती है। महासंघ ने मांग की है कि अन्य जनपदों की तरह मथुरा में भी विद्यालयों का समय सुबह 7:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक किया जाए। इस दौरान जिलाध्यक्ष अंजना शर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष हेमराज सिंह, महामंत्री इंद्रपाल सिंह चौधरी, गोविंद सिंह चौहान, जिला मीडिया प्रमुख गोवर्धन दास गुप्ता, ब्लॉक अध्यक्ष हरिओम गुप्ता, ब्लॉक महामंत्री शैलेंद्र परिहार मौजूद रहे।

## विश्व नशा मुक्ति दिवस पर केडी मेडिकल कॉलेज में हुए कार्यक्रम

# खुशहाल जीवन, समाज के लिए अभिशाप है नशा: डॉ. अशोका

**यूनिक समय, मथुरा।** विश्व नशा मुक्ति दिवस पर केडी विश्वविद्यालय के चिकित्सा शिक्षा संस्थान केडी मेडिकल कॉलेज-हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, मथुरा के मनोचिकित्सा विभाग और नशामुक्ति और पुनर्वास केंद्र द्वारा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में चिकित्सकों ने जहां नशे के दुष्प्रभाव बताए, वहीं नशामुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र में भर्ती लोगों ने बदले हुए नामों से नशे की लत को छोड़ने की जीवंत प्रस्तुति से नशामुक्त समाज निर्माण का संदेश दिया।

जागरूकता कार्यक्रम में विचार साझा करते डीन और प्राचार्य डॉ. आरके अशोका, अन्य चित्रों में चिकित्सक और छात्र-छात्राएं।

कार्यक्रम के मार्गदर्शक- प्रति-कुलपति डॉ. गौरव सिंह द्वारा के.डी. मेडिकल कॉलेज-हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के डीन और प्राचार्य डॉ. आरके अशोका, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. गगनदीप सिंह, कुलसचिव डॉ. विकास कुमार अग्रवाल आदि का स्वागत किया गया। मनोचिकित्सक डॉ. श्वेता सिंह ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं और आमजन को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराकर नशा मुक्त समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने केडी हॉस्पिटल में नशे के दुष्प्रभाव, उपचार- समाधान के साथ-साथ नशा मुक्ति संबंधी स्वास्थ्य सेवाओं की भी जानकारी दी।

डीन और प्राचार्य डॉ. आरके अशोका ने कहा कि नशे से मनुष्य का शारीरिक, मानसिक, आर्थिक और सामाजिक नुकसान होता है, इसलिए उसे न केवल नशे से दूरी बनानी चाहिए। नशामुक्ति के बाद जो लोग गलत संगति से नशे की लत में पड़ गए हैं, उन्हें नशा छोड़ने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

चिकित्सा अधीक्षक डॉ. गगनदीप सिंह ने कहा कि मौजूदा दौर में हमारा देश ही नहीं, समूची दुनिया नशे की गिरफ्त में है। अगर शरीर को नष्ट होने और परिवार को बर्बादी से बचाना है, बाल-बच्चों का भविष्य संवारना है तो हमें नशे का परित्याग करना होगा ।

## नुक्कड़ नाटक से दिया नशे से दूरी, जिंदगी है जरूरी का संदेश

कुलसचिव डॉ. विकास कुमार अग्रवाल ने कहा कि नशा एक ऐसी बुराई है, जिससे इंसान का अनमोल जीवन समय से पहले ही नष्ट हो जाता है।

प्रति-कुलपति डॉ. गौरव सिंह ने बताया कि नशीले पदार्थों के लती लोग ज्यादातर अकेले रहना चाहते हैं और अपने आपको समाज से अलग कर लेते हैं। उन्हें लगता है कि उनकी ज्यादातर चीजें गोपनीय ढंग से ही हों। इस अवसर पर नशे की गिरफ्त में आए लोगों ने अपने अनुभव साझा किए। वहीं उनके परिजनों ने नशे की वजह से परिवार पर पड़ने वाली आर्थिक तंगी पर अपने अनुभव साझा किए। इस अवसर पर मनोचिकित्सक-विशेषज्ञ नशामुक्ति डॉ. कमल किशोर वर्मा ने भी विचार साझा किए।

# स्कूल को दान में मिला कूलर

दान में मिले कूलर के साथ समाजसेवी और शिक्षक।

**यूनिक समय, मथुरा।** ब्लाक गोवर्धन के प्राथमिक विद्यालय लालपुर में विद्यार्थियों की सुविधा के लिए समाजसेवियों ने दान में कूलर भेंट किया है। कूलर मिलनेसे विद्यार्थियों को राहत होगी।

विद्यालय को यह कूलर नरेन्द्र चौधरी और रेखा रानी की प्रेरणा से समाजसेवी हरेंद्र ठकुरेला (मेडिकल वाले) की ओर से भेंट किया गया। राज्य शिक्षक पुरस्कार प्राप्त नरेंद्र चौधरी और सहायक अध्यापक रेखा रानी ने इस छात्र हितैषी कार्य के लिए हरेंद्र ठकुरेला का विद्यालय और क्षेत्रवासियों की ओर से आभार व्यक्त किया। कहा कि इस सहयोग से बच्चों को भीषण गर्मी से राहत मिलेगी, उन्हें बेहतर वातावरण में अध्ययन करने का अवसर प्राप्त होगा।

इस मौके पर खगेश चौधरी, महंत बाबा कमलदास, मंदों बाबा, गजेंद्र कुंतल, देवेंद्र शर्मा, प्रदीप अग्रवाल, परमो नेताजी, धर्मदास आदि ने इस कार्य की प्रशंसा की।

# ट्रैक्टर ने ई-रिक्शा को मारी टक्कर, चालक से भागा

**यूनिक समय, मथुरा।** महावन थाना क्षेत्र में ट्रैक्टर ने ई-रिक्शा को टक्कर मार दी। दुर्घटना में चालक गंभीर घायल हो गया। चालक ट्रैक्टर को मौके से भगा ले गया। टाउनशिप निवासी प्रकाश ई-रिक्शा चलाता है। वह सवारियों को लेने के लिए महावन की ओर जा रहा था। इसी बीच तेज गति से आते ट्रैक्टर ने ई- रिक्शा को जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना में ई-रिक्शा क्षतिग्रस्त होगया, जबकि चालक गंभीर घायल हो गया। इसी दौरान दुर्घटना करने वाले चालक ट्रैक्टर को तेज गति से दौड़ा ले गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने चालक को हॉस्पिटल भिजवाया। दुर्घटना करने वाले ट्रैक्टर चालक की पुलिस तलाश कर रही है। इसके लिए पुलिस सीसी टीवी कैमरों की फुटेज निकाल रही है।

# नशे के खिलाफ अब सरकार और संस्कार साथ-साथ

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** देश को नशे की गिरफ्त से बाहर निकालने और युवाओं को स्वस्थ जीवन की ओर प्रेरित करने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने विश्व प्रसिद्ध आध्यात्मिक संस्था अखिल विश्व गायत्री परिवार के साथ समझौता कर देशभर में व्यापक जनजागरण अभियान चलाने का फैसला किया है। इस पहल का उद्देश्य नशे के खिलाफ सामाजिक जागरूकता बढ़ाना और लोगों को व्यसनमुक्त जीवन के लिए प्रेरित करना है। विश्व मादक द्रव्य दुरुपयोग एवं अवैध तस्करी निरोधक दिवस के अवसर पर आयोजित नशा मुक्त भारत सप्ताह के समापन समारोह में हरिद्वार स्थित देवसंस्कृति विश्वविद्यालय में दोनों संस्थाओं के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर दो हजार से अधिक स्वयंसेवकों और साधकों ने नशामुक्त

भारत के संकल्प के साथ विशाल जनजागरण रैली निकाली। रैली में युवाओं, महिलाओं, विद्यार्थियों और विभिन्न राज्यों से आए प्रतिनिधियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम में केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेन्द्र कुमार ने कहा कि नशा केवल व्यक्ति ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को कमजोर करता है। उन्होंने कहा कि इस समस्या से निपटने के लिए सरकारी प्रयासों के साथ सामाजिक और आध्यात्मिक संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी भी आवश्यक है। उनका मानना है कि गायत्री परिवार के सहयोग से नशा मुक्त भारत अभियान को नई गति मिलेगी। देवसंस्कृति विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति डॉ. चिन्मय पण्डया ने कहा कि नशा मुक्ति की

## गायत्री परिवार के साथ मिलकर चलाएगी देशव्यापी जनजागरण अभियान

शुरुआत व्यक्ति के भीतर आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच विकसित करने से होती है। उन्होंने सभी से स्वयं नशे से दूर रहने और कम से कम एक व्यक्ति को नशा छोड़ने के लिए प्रेरित करने का संकल्प लेने की अपील की। वहीं, स्वामी चिदानन्द सरस्वती ने भी युवाओं से नशे से दूर रहकर स्वस्थ और जिम्मेदार जीवन अपनाने का आह्वान किया। सरकार का मानना है कि यह साझेदारी नशे के खिलाफ जनभागीदारी बढ़ाने और देश को व्यसनमुक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगी।

# मुश्किल वक्त में राह दिखाएंगे प्रेमचंद के अनमोल विचार

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** हिंदी साहित्य के महान कथाकार और 'उपन्यास सम्राट' मुंशी प्रेमचंद की रचनाएं आज भी करोड़ों लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। उन्होंने अपनी कहानियों और उपन्यासों में आम इंसान के संघर्ष, गरीबी, सामाजिक विषमताओं और जीवन के यथार्थ को बेहद प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। उनके विचार केवल साहित्य तक सीमित नहीं हैं, बल्कि जीवन की कठिन परिस्थितियों में आगे बढ़ने की प्रेरणा भी देते हैं। प्रेमचंद का मानना था कि जीवन संघर्ष का दूसरा नाम है और जो व्यक्ति धैर्य, ईमानदारी और आत्मविश्वास बनाए रखता है, वही अंततः सफलता प्राप्त करता है। उनका प्रसिद्ध विचार, "जीत कर आप अपनी धोखेबाजियों की डींग मार सकते हैं, लेकिन हार की लज्जा को पी जाना ही सच्ची परीक्षा है," जीवन में हार को स्वीकार कर उससे सीख लेने का संदेश देता है। वहीं उनका यह विचार कि "जिन वृक्षों की जड़ें गहरी होती हैं, उन्हें बार-बार सींचने की जरूरत नहीं होती," मजबूत व्यक्तित्व और आत्मविश्वास की अहमियत बताता है। प्रेमचंद ने प्रेम, मित्रता, न्याय, समाज और मानवीय रिश्तों

पर भी गहरे विचार व्यक्त किए। उन्होंने लिखा कि सच्चा प्रेम स्वार्थ से परे होता है और सच्ची मित्रता सत्य की कसौटी पर खरी उतरती है। उनके अनुसार मोह, लालच और अहंकार इंसान को कमजोर बनाते हैं, जबकि संयम और सत्य उसे मजबूत बनाते हैं। आज के प्रतिस्पर्धी दौर में, जब लोग छोटी-छोटी असफलताओं से निराश हो जाते हैं, प्रेमचंद के विचार नई उम्मीद जगाते हैं। उनकी सीख बताती है कि कठिनाइयों से घबराने के बजाय उनसे सीख लेकर आगे बढ़ना चाहिए। यही कारण है कि दशकों बाद भी उनके विचार उतने ही प्रासंगिक हैं और हर पीढ़ी को जीवन में सकारात्मक सोच, धैर्य और संघर्ष के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं।

# फालसा शरबत से पाएं ठंडक और शानदार स्वाद

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** गर्मी के दिनों में शरीर को ठंडक और ताजगी देने के लिए लोग अक्सर नींबू पानी, लस्सी या आम पन्ना पीते हैं। अगर आप रोज एक जैसा स्वाद पीकर बोर हो गए हैं, तो इस बार फालसा का शरबत जरूर ट्राई करें। स्वाद में लाजवाब होने के साथ यह शरीर को ठंडक पहुंचाने और हाइड्रेट रखने में भी मदद करता है। फालसा विटामिन-सी, एंटीऑक्सीडेंट और जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर होता है। इसका शरबत बनाने के लिए सबसे पहले फालसा को अच्छी तरह धो लें। अब इसे थोड़ा पानी डालकर हल्का मैश करें और छलनी से छान लें। तैयार रस में स्वादानुसार चीनी या गुड़ का सिरप, काला नमक, भुना जीरा पाउडर और कुछ बर्फ के टुकड़े मिलाएं। चाहें तो ताजगी बढ़ाने के लिए कुछ पुदीने की पत्तियां भी

## गर्मी में ठंडक का नया स्वाद

डाल सकते हैं। ठंडा-ठंडा फालसा शरबत न सिर्फ गर्मी से राहत देता है, बल्कि शरीर में पानी की कमी भी नहीं होने देता। इसका खट्टा-मीठा स्वाद बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी को पसंद आता है। घर आए मेहमानों को भी इसे सर्व कर सकते हैं। अगर इस मौसम में कुछ नया और हेल्दी पीना चाहते हैं, तो फालसा शरबत आपके लिए बेहतरीन विकल्प साबित हो सकता है।

# जुलाई में रेल सफर पड़ेगा भारी, रहें सतर्क

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** अगर आप घर पर बाजार जैसा गाढ़ा, मलाईदार और स्वादिष्ट दही जमाना चाहते हैं, तो सही दूध और सही तरीका अपनाना बेहद जरूरी है। विशेषज्ञों के अनुसार, भैंस का दूध या फुल क्रीम दूध दही जमाने के लिए सबसे अच्छा माना जाता है, क्योंकि इसमें फैट अधिक होता है और दही गाढ़ा बनता है। दूध को पहले अच्छी तरह उबालें, फिर धीमी आंच पर करीब 5 मिनट तक पकाएं। इसके बाद दूध को हल्का गुनगुना होने दें। अब इसमें एक बड़ा चम्मच ताजा और गाढ़ा दही (जामन) मिलाकर बर्तन को ढक दें और 7 से 8 घंटे तक बिना हिलाए रखें। दही जमने के बाद इसे फ्रिज में रख दें। ध्यान रखें कि खटटा या पतला जामन इस्तेमाल न करें और फ्रिज में रखा ठंडा दूध सीधे गर्म करके दही न जमाएं। सही तापमान और ताजा जामन का इस्तेमाल करने से दही गाढ़ा, मलाईदार और स्वाद में बेहतरीन बनता है, जो बाजार के दही से भी ज्यादा स्वादिष्ट लगता है।

# तनाव से हैं परेशान, रोज करें ये योगासन

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** आज की व्यस्त जीवनशैली में तनाव और चिंता लोगों की सबसे बड़ी समस्याओं में शामिल हो गई हैं। काम का दबाव, पढ़ाई, पारिवारिक जिम्मेदारियां और लंबे समय तक स्क्रीन के सामने रहने से मानसिक थकान बढ़ने लगती है। ऐसे में योग एक प्राकृतिक और प्रभावी उपाय माना जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, बालासन तनाव दूर करने और मानसिक शांति पाने के लिए सबसे आसान और असरदार योगासनों में से एक है। बालासन करने के लिए सबसे पहले योग मैट पर घुटनों के बल बैठें। इसके बाद धीरे-धीरे शरीर को आगे की ओर झुकाएं और माथे को जमीन से स्पर्श कराएं। हाथों को सामने की ओर फैलाएं या शरीर के पास पीछे रखें। अब गहरी और धीमी सांस लेते हुए 1 से 2 मिनट तक इसी स्थिति में रहें। अभ्यास के दौरान सांसों पर ध्यान केंद्रित करें और फिर धीरे-धीरे सामान्य अवस्था में लौट आएं। विशेषज्ञों का कहना है कि बालासन नर्वस सिस्टम को आराम पहुंचाता है और दिमाग को शांत करने में मदद करता है। इसके नियमित अभ्यास से तनाव, चिंता और ओवरथिंकिंग कम होती है। साथ ही यह रीढ़, कंधों और कमर की जकड़न दूर कर शरीर को गहरी रिलैक्सेशन देता है। यह आसन नींद की गुणवत्ता सुधारने और सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखने में भी सहायक माना जाता है। तनाव से राहत के लिए शवासन, अनुलोम-विलोम और भ्रामरी प्राणायाम भी लाभदायक हैं। हालांकि, यदि किसी को कमर, घुटने या रीढ़ से जुड़ी गंभीर समस्या है, तो योगाभ्यास शुरू करने से पहले विशेषज्ञ की सलाह अवश्य लेनी चाहिए। नियमित योग न केवल मानसिक शांति देता है, बल्कि शरीर और मन दोनों को स्वस्थ रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

# शैंपू से पहले भी चमकते थे बाल

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** आज बाजार में बालों की देखभाल के लिए कई तरह के शैंपू और हेयर प्रोडक्ट्स उपलब्ध हैं, लेकिन पुराने समय में लोग बिना शैंपू और साबुन के भी अपने बालों को स्वस्थ, घने और चमकदार रखते थे। इसके लिए रीठा, शिकाकाई, आंवला, नीम और अन्य प्राकृतिक जड़ी-बूटियों का इस्तेमाल किया जाता था। रीठा बालों की गंदगी को प्राकृतिक रूप से साफ करता था, जबकि शिकाकाई बालों को मुलायम और मजबूत बनाती थी। आंवला बालों को पोषण देकर समय से पहले सफेद होने से बचाने में मदद करता था। कई स्थानों पर लोग चावल का पानी और मुल्तानी मिट्टी का भी उपयोग करते थे। विशेषज्ञों के अनुसार, इन प्राकृतिक चीजों में हानिकारक रसायन नहीं होते, इसलिए ये बालों और सिर की त्वचा के लिए सुरक्षित मानी जाती हैं। आज भी समय-समय पर इन पारंपरिक उपायों को अपनाकर बालों की प्राकृतिक चमक और मजबूती बनाए रखी जा सकती है।

# संस्कार सिटी के लग्जूरियस टॉवर की 29 को भव्य लॉंचिंग

**यूनिक समय, मथुरा/वृंदावन।** धर्मनगरी वृंदावन में आधुनिक और सुविधायुक्त आवासीय जीवनशैली को नई पहचान देने वाली आवासीय परियोजना संस्कार सिटी के नए लग्जूरियस टॉवर कीभव्य लॉंचिंग 29 जून सोमवार को होगी। इस विशेष अवसर पर मथुरा की सांसद एवं सुप्रसिद्ध अभिनेत्री हेमा मालिनी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहकर लॉंचिंग करेंगी। कार्यक्रम को लेकर क्षेत्र के लोगों और निवेशकों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है।

एनके ग्रुप द्वारा विकसित संस्कार सिटी को वृंदावन के आध्यात्मिक वातावरण और आधुनिक जीवन की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। परियोजना में आधुनिक वास्तुकला, उच्च स्तरीय निर्माण गुणवत्ता और विश्वस्तरीय सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा गया है। नए टॉवर में उपलब्ध कराए जा रहे

प्रीमियम 3-बीएचके अपार्टमेंट्स को इस प्रकार डिजाइन किया गया है कि निवासियों को आरामदायक, सुरक्षित और सुविधाजनक जीवन का अनुभव मिल सके।

संस्कार सिटी की विशेषता यह है कि यहां आधुनिक जीवनशैली के साथ-साथ भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों और आध्यात्मिक वातावरण को भी प्राथमिकता दी गई है। यही कारण है कि यह परियोजना न केवल स्थानीय लोगों बल्कि देश के विभिन्न हिस्सों से वृंदावन में निवास की इच्छा रखने वाले परिवारों के लिए भी आकर्षण का केंद्र बन रही है।

परियोजना में वीआरएफ एयर कंडीशनिंग सिस्टम, मॉड्यूलर किचन, अत्याधुनिक सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी, पार्किंग, हरित वातावरण, बच्चों के लिए मनोरंजन क्षेत्र, सुंदर लैंडस्केपिंग तथा दैनिक जीवन से जुड़ी अनेक आधुनिक सुविधाएं शामिल हैं। इसके साथ ही संस्कार सिटी का स्थान भी इसकी प्रमुख विशेषताओं में शामिल है, जहां से वृंदावन के प्रमुख धार्मिक स्थलों, शिक्षण संस्थानों, अस्पतालों और आवश्यक शहरी सुविधाओं तक आसानी से पहुंच बनाई जा सकती है।

निदेशक मार्तण्ड देव उपाध्याय ने बताया कि संस्कार सिटी केवल एक आवासीय परियोजना नहीं, बल्कि ऐसा जीवन दर्शन है जिसमें आधुनिकता और आध्यात्मिकता का संतुलित समावेश किया गया है। यहां निवासियों को एक ओर आधुनिक सुविधाओं से युक्त जीवन मिलेगा तो दूसरी ओर वृंदावन की दिव्यता, सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक शांति का अनुभव भी प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि परियोजना का उद्देश्य लोगों को ऐसा आवासीय वातावरण उपलब्ध कराना है जहां वे अपने परिवार के साथ सुरक्षित, सुखद और गुणवत्तापूर्ण जीवन व्यतीत कर सकें। उन्होंने बताया कि एनके ग्रुप हमेशा से गुणवत्ता, विश्वास और ग्राहकों की संतुष्टि को प्राथमिकता देता आया है। इसी सोच के अनुरूप संस्कार सिटी का विकास किया गया है, जिससे लोगों को एक बेहतर और आधुनिक आवासीय विकल्प उपलब्ध कराया जा सके।

29 जून को आयोजित होने वाले लॉंचिंग समारोह को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में हैं। समारोह में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, उद्योगपतियों, समाजसेवियों, व्यवसायियों, शिक्षाविदों तथा विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य नागरिकों के शामिल होने की संभावना है। कार्यक्रम के दौरान परियोजना की विशेषताओं और भविष्य की विकास योजनाओं की भी जानकारी साझा की जाएगी।

# प्रोटीन का पावर हाउस है कुल्थी की दाल

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** अगर आप स्वाद के साथ पौष्टिक भोजन की तलाश में हैं, तो कुल्थी की दाल बेहतरीन विकल्प हो सकती है। प्रोटीन, कैल्शियम और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर यह दाल शरीर को ऊर्जा देने के साथ हडिडयों को मजबूत बनाने और ब्लड शुगर नियंत्रित रखने में भी मददगार मानी जाती है।

शाकाहारी लोगों के लिए यह प्रोटीन का अच्छा स्रोत है। कुल्थी की दाल बनाने के लिए सबसे पहले एक कप दाल को रातभर पानी में भिगो दें। अगले दिन इसे अच्छी तरह धोकर कुकर में तेजपत्ता, दालचीनी, इलायची, हल्दी, लहसुन और नमक के साथ 8 से 10 सीटी

## सेहत को देगी नई ताकत

आने तक पकाएं। इसके बाद कड़ाही में थोड़ा तेल या घी गर्म करें। इसमें हींग, जीरा, बड़ी इलायची, लहसुन और हरी मिर्च का तड़का लगाएं। फिर बारीक कटा प्याज सुनहरा होने तक भूनें और टमाटर का पेस्ट डालकर अच्छी तरह पकाएं।

अब धनिया पाउडर, जीरा पाउडर, लाल मिर्च, काली मिर्च और गरम मसाला डालकर मसालों को भून लें। तैयार मसाले में उबली हुई दाल मिलाकर कुछ मिनट तक धीमी आंच पर पकाएं। अंत में घी में अदरक के पतले स्लाइस का तड़का लगाकर दाल में डालें और हरे धनिये से सजाएं। गर्मागर्म कुल्थी की दाल को चावल या रोटी के साथ परोसें। इसका लाजवाब स्वाद और भरपूर पोषण इसे रोजमर्रा के भोजन के लिए बेहतरीन विकल्प बनाता है।

## सुविचार

जो दिल में है, उसे कह देना चाहिए।

## कल का पंचांग

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| तिथि | चतुर्दशी | 12:43-03:06 तक | पक्ष | शुक्ल पक्ष |
| नक्षत्र | ज्येष्ठा | 10:11-01:08 तक | माह | ज्येष्ठ |
| सूर्योदय | | 5:31 AM | चन्द्रोदय | 06:15 PM |
| सूर्यास्त | | 7:14 PM | चंद्रास्त | 04:27 AM |
| सूर्य राशि | | मिथुन राशि | चंद्र | धनु राशि |
| शुभ मुहूर्त | | 12:20PM -02:03 PM | ब्रहम् मुहूर्त | 03:53-04:41 |
| त्योहार/व्रत | | | विक्रम संवत् | 2083 |
| राहुकाल | | 05:31 PM: 07:14 PM | वार | रविवार |

## ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

## मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8.00 से दोपहर 01.30 बजे तक और शाम 4.00 से रात 9.00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6.30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6.30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7.30 बजे तक।

## कल का राशिफल

**मेष:** आत्मविश्वास बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। परिवार का सहयोग रहेगा। खर्च नियंत्रित रखें। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें।

**वृषभ:** आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। रुका धन मिलने के संकेत हैं। रिश्तों में मधुरता आएगी। यात्रा लाभदायक रहेगी। धैर्य रखें।

**मिथुन:** नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। नौकरी में प्रगति होगी। विद्यार्थियों को सफलता मिलेगी। अनावश्यक विवादों से दूर रहें।

**कर्क:** भाग्य का साथ मिलेगा। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में सुखद वातावरण रहेगा। निवेश सोच-समझकर करें।

**सिंह:** कार्यक्षेत्र में सम्मान मिलेगा। पुराने प्रयास सफल होंगे। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। संयम बनाए रखें।

**कन्या:** व्यापार में लाभ के योग हैं। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। नई योजनाएं सफल होंगी। खर्चों पर नियंत्रण रखें।

**तुला:** रुके कार्य पूरे होंगे। नौकरीपेशा लोगों को शुभ समाचार मिल सकता है। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। सेहत का ध्यान रखें।

**वृश्चिक:** आर्थिक लाभ मिलेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर लें। प्रेम संबंधों में मधुरता आएगी। तनाव से बचें।

**धनु:** यात्रा के योग बनेंगे। करियर में नई संभावनाएं मिलेंगी। परिवार का सहयोग रहेगा। निवेश में सावधानी बरतें। धैर्य रखें।

**मकर:** मेहनत का पूरा फल मिलेगा। व्यापार में उन्नति होगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। सकारात्मक सोच रखें।

**कुंभ:** नई योजनाओं की शुरुआत होगी। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। सामाजिक सम्मान बढ़ेगा। मित्रों से सहयोग मिलेगा। जल्दबाजी से बचें।

**मीन:** धार्मिक कार्यों में मन लगेगा। नौकरी और व्यापार में लाभ मिलेगा। परिवार में खुशियां आएंगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। आत्मविश्वास बनाए रखें।

# साढ़ेसाती में करें यह पूजा,मिल सकती है शनि कृपा

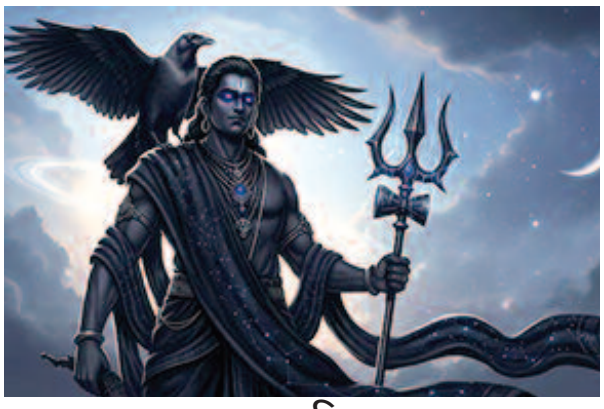

### शिव-हनुमान आराधना से कम होंगे कष्ट

### शनिवार के उपाय और मंत्र जाप का महत्व

**यूनिक समय, मथुरा।** ज्योतिष शास्त्र में शनि की साढ़ेसाती को जीवन का महत्वपूर्ण दौर माना जाता है। यह अवधि लगभग साढ़े सात वर्ष तक रहती है और मान्यता है कि इस दौरान व्यक्ति को अपने कर्मों के अनुसार शुभ या अशुभ परिणाम प्राप्त होते हैं। धार्मिक विद्वानों के अनुसार साढ़ेसाती केवल कठिनाइयों का समय नहीं होती, बल्कि आत्मचिंतन, अनुशासन और अच्छे कर्मों के माध्यम से जीवन को नई दिशा देने का अवसर भी देती है। उचित पूजा, मंत्र जाप और सात्विक आचरण अपनाकर इस अवधि के प्रभाव को सकारात्मक बनाया जा सकता है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार साढ़ेसाती के दौरान भगवान शिव की आराधना सबसे प्रभावशाली मानी जाती है। मान्यता है कि शनिदेव भगवान शिव के परम भक्त हैं। इसलिए प्रत्येक सोमवार और शनिवार शिवलिंग पर जल में काले तिल मिलाकर अभिषेक करने तथा महामृत्युंजय मंत्र का जाप करने से मानसिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त होती है। इसके साथ ही भगवान हनुमान की पूजा भी विशेष फलदायी मानी गई है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार हनुमान जी ने रावण की कैद से शनिदेव को मुक्त कराया था। इसी कारण हनुमान भक्तों पर शनिदेव की विशेष कृपा बनी रहती है। मंगलवार और शनिवार को हनुमान चालीसा, सुंदरकांड या हनुमान बाहुक का पाठ करने के साथ सिंदूर और चमेली के तेल का चोला चढ़ाना शुभ माना जाता है।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

शनिवार के दिन शनिदेव का विधि-विधान से पूजन, सरसों या काले तिल के तेल से अभिषेक तथा व्रत रखने की भी परंपरा है। पूजा के समय श्रद्धा और विनम्रता बनाए रखने की सलाह दी जाती है। कई श्रद्धालु इस दिन छाया दान भी करते हैं, जिसमें तेल से भरे पात्र में अपना प्रतिबिंब देखकर उसका दान किया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार साढ़ेसाती के दौरान केवल पूजा-पाठ ही नहीं, बल्कि अच्छे कर्म भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। झूठ, छल, नशा, अपमान और अन्य बुराइयों से दूर रहना, जरूरतमंदों की सहायता करना, पशु-पक्षियों को भोजन कराना तथा माता-पिता और बुजुर्गों का सम्मान करना शनिदेव को प्रसन्न करने के प्रभावी उपाय बताए गए हैं।

मंत्र जाप के लिए "ॐ शं शनैश्चराय नमः" तथा "ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः" का नियमित उच्चारण शुभ माना जाता है। श्रद्धा, संयम और सत्कर्म के साथ किए गए ये उपाय साढ़ेसाती के दौरान आत्मबल बढ़ाने और जीवन में सकारात्मकता लाने में सहायक माने जाते हैं।

# दान का सही तरीका अपनाएं, तभी मिलेगा पूर्ण पुण्य फल

### गरुड़ पुराण में बताए गए दान के पांच महत्वपूर्ण नियम

### निस्वार्थ भाव और सही नीयत से बढ़ता है दान का महत्व

**यूनिक समय, मथुरा।** सनातन धर्म में दान को सबसे श्रेष्ठ पुण्य कर्मों में स्थान दिया गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार जरूरतमंद, गरीब और असहाय लोगों की सहायता करना केवल सामाजिक दायित्व ही नहीं, बल्कि आध्यात्मिक उन्नति का भी मार्ग माना जाता है। हालांकि, शास्त्रों में यह भी स्पष्ट किया गया है कि केवल दान करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसे सही भावना, उचित पात्र और धर्मसम्मत तरीके से करना भी आवश्यक है। गरुड़ पुराण में दान से जुड़े ऐसे ही कई महत्वपूर्ण नियमों का उल्लेख मिलता है।

गरुड़ पुराण के अनुसार दान का सबसे पहला नियम है कि उसे निस्वार्थ भाव और शुद्ध नीयत से किया जाए। यदि दान केवल दिखावा, प्रसिद्धि या किसी स्वार्थ की पूर्ति के लिए किया जाए, तो उसका धार्मिक महत्व कम हो जाता है और अपेक्षित पुण्य फल प्राप्त नहीं होता। शास्त्रों में यह भी कहा गया है कि बेकार, टूटी-फूटी या अनुपयोगी वस्तुओं का दान उचित नहीं माना जाता। श्रेष्ठ दान वही है, जिससे जरूरतमंद व्यक्ति को वास्तविक लाभ मिले। यदि अपनी उपयोगी वस्तु भी किसी जरूरतमंद को दी जाए, तो उसे अधिक पुण्यदायी माना गया है।

गरुड़ पुराण व्यक्ति को अपनी आर्थिक क्षमता के अनुसार ही दान करने की सलाह देता है। ऐसा दान, जिससे स्वयं या परिवार आर्थिक संकट में पड़ जाए, उचित नहीं माना गया है। दान में विवेक और संतुलन दोनों आवश्यक बताए गए हैं। धर्मग्रंथों के अनुसार चोरी, छल या किसी अन्य के अधिकार वाली वस्तु का दान महापाप की श्रेणी में आता है। इसलिए दान हमेशा ईमानदारी से अर्जित धन या वस्तुओं का ही करना चाहिए।

गरुड़ पुराण में गुप्त दान को सर्वश्रेष्ठ बताया गया है। बिना किसी प्रचार, अहंकार या सम्मान की इच्छा के किया गया दान सबसे अधिक पुण्यदायी माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि सच्ची श्रद्धा, विनम्रता और सेवा भाव से किया गया दान ही व्यक्ति को शुभ फल और आध्यात्मिक संतोष प्रदान करता है।

# इन सात पवित्र वृक्षों को काटना माना गया महापाप

### पुराणों में बताया गया धार्मिक महत्व

### पूजन से मिलता है पुण्य संरक्षण का भी संदेश

**यूनिक समय, मथुरा।** सनातन परंपरा में कई वृक्षों को देवतुल्य और पूजनीय माना गया है। धार्मिक ग्रंथों में इनका विशेष महत्व बताया गया है। मान्यता है कि इन पवित्र वृक्षों की पूजा करने से पुण्य की प्राप्ति होती है, जबकि इन्हें बिना कारण काटना अशुभ माना जाता है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पीपल, बरगद, बेल, शमी, नीम, आंवला और अशोक ऐसे सात प्रमुख वृक्ष हैं, जिनका उल्लेख विभिन्न पुराणों में मिलता है। पीपल में त्रिदेवों का वास, बरगद को अमरत्व का प्रतीक, बेल को भगवान शिव, आंवले को भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी, नीम को देवी दुर्गा, शमी को शनिदेव तथा अशोक को सुख-समृद्धि का प्रतीक माना गया है।

मान्यता है कि इन वृक्षों की नियमित पूजा, जल अर्पण और संरक्षण करने से शुभ फल प्राप्त होते हैं। वहीं इन्हें अनावश्यक रूप से काटना धार्मिक दृष्टि से अनुचित माना गया है। इन मान्यताओं के साथ-साथ ये सभी वृक्ष पर्यावरण संरक्षण, औषधीय गुणों और जैव विविधता के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इसलिए इनका संरक्षण धार्मिक आस्था के साथ प्रकृति की रक्षा का भी संदेश देता है।

# हनुमान जी को प्रिय पांच भोग, श्रद्धा से चढ़ाएं मंगल होगा जीवन

### मंगलवार की पूजा में इन भोगों का विशेष महत्व

### श्रद्धा, सेवा और प्रसाद वितरण को भी माना गया शुभ

**यूनिक समय, मथुरा।** हिंदू धर्म में मंगलवार का दिन भगवान हनुमान की आराधना के लिए विशेष महत्व रखता है। इस दिन श्रद्धालु विधि-विधान से बजरंगबली की पूजा-अर्चना करते हैं, हनुमान चालीसा का पाठ करते हैं और उन्हें प्रिय माने जाने वाले भोग अर्पित करते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, सच्ची श्रद्धा और सात्विक भाव से अर्पित किया गया भोग भगवान हनुमान को प्रसन्न करता है तथा भक्तों के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा, साहस और आत्मविश्वास का संचार करता है। हालांकि यह मान्यताएं धार्मिक आस्था और परंपराओं पर आधारित हैं।

धार्मिक परंपरा के अनुसार भगवान हनुमान को बूंदी या बेसन के लड्डू अत्यंत प्रिय माने जाते हैं। मंगलवार को ताजे लड्डू अर्पित कर पूजा के बाद उनका प्रसाद परिवार और जरूरतमंदों में बांटना शुभ माना जाता है। इसके अलावा गुड़ और भुने चने भी सरल एवं सात्विक भोग के रूप में चढ़ाए जाते हैं। मान्यता है कि यह चढ़ावा सादगी, समर्पण और भक्ति का प्रतीक है।

कई स्थानों पर भगवान हनुमान को मीठा पान भी अर्पित करने की परंपरा है।

इसमें केवल सात्विक सामग्री जैसे कत्था, सौंफ, गुलकंद और इलायची का प्रयोग किया जाता है। तंबाकू या अन्य नशीले पदार्थों का उपयोग वर्जित माना गया है। वहीं पके हुए केले भी भगवान हनुमान को प्रिय फलों में शामिल हैं और पूजा के बाद इन्हें प्रसाद के रूप में ग्रहण किया जाता है।

घी, गुड़ और गेहूं के आटे से तैयार किया गया चूरमा भी अनेक क्षेत्रों में विशेष भोग के रूप में अर्पित किया जाता है। इसे भक्ति, समर्पण और मंगलकामना का प्रतीक माना जाता है तथा विशेष अवसरों पर श्रद्धालुओं में वितरित किया जाता है।

पूजा के समय कुछ बातों का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी जाती है। स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण करें, ताजा और शुद्ध भोग ही अर्पित करें तथा भगवान हनुमान को चमेली का तेल और सिंदूर चढ़ाएं। पूजा के दौरान हनुमान चालीसा, बजरंग बाण या "ॐ हनुमते नमः" मंत्र का जाप करना शुभ माना जाता है। अंत में प्रसाद को परिवार और अन्य लोगों में बांटने की भी परंपरा है।

धार्मिक विद्वानों का कहना है कि भगवान हनुमान की कृपा पाने का सबसे बड़ा माध्यम केवल भोग नहीं, बल्कि सच्ची श्रद्धा, सेवा, सदाचार और प्रभु श्रीराम के प्रति अटूट भक्ति है। इसलिए पूजा में बाहरी आडंबर से अधिक मन की पवित्रता और निष्काम भाव को महत्व दिया गया है।

## सम्पादकीय

# संस्कारों से सजे जीवन में मर्यादा रहती सदैव कायम

संस्कार किसी भी व्यक्ति के जीवन की वह अमूल्य पूंजी हैं, जो उसे केवल सफल ही नहीं, बल्कि श्रेष्ठ भी बनाती है। धन, पद और आधुनिक सुविधाएं जीवन को आराम दे सकती हैं, लेकिन चरित्र, संवेदनशीलता और मर्यादा का निर्माण केवल संस्कारों से होता है। यही कारण है कि भारतीय संस्कृति में परिवार को बच्चे की पहली पाठशाला और माता–पिता को पहला गुरु माना गया है।

आज का समय अभूतपूर्व तकनीकी प्रगति का है। मोबाइल, इंटरनेट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने ज्ञान के नए द्वार खोले हैं, लेकिन इसी के साथ एक चुनौती भी सामने आई है। बच्चे अब परिवार से अधिक समय डिजिटल दुनिया के साथ बिताने लगे हैं। मोबाइल स्क्रीन उनके लिए मनोरंजन, शिक्षा और मित्रता का माध्यम बन गई है। ऐसे में यदि परिवार संवाद से दूर हो जाए, तो मशीनें जानकारी तो दे सकती हैं, लेकिन जीवन जीने की समझ नहीं दे सकतीं।

पवन गौतम
संपादक

हर माता–पिता चाहते हैं कि उनकी संतान संस्कारी, सफल और समाज के लिए उपयोगी बने। कोई भी परिवार यह नहीं चाहता कि उसका बच्चा गलत संगत, नशे, हिंसा या असंवेदनशीलता की राह पर चले। लेकिन केवल अच्छी शिक्षा और महंगे संसाधन उपलब्ध करा देना पर्याप्त नहीं है। बच्चों को समय देना, उनकी बातें सुनना, सही–गलत का अंतर समझाना और अपने व्यवहार से उदाहरण प्रस्तुत करना भी उतना ही आवश्यक है।

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

आज भौतिक सफलता की दौड़ में परिवारों का साझा समय लगातार कम होता जा रहा है। संयुक्त परिवार टूट रहे हैं, भोजन की मेज पर संवाद की जगह मोबाइल ने ले ली है और नैतिक शिक्षा की जगह प्रतिस्पर्धा ने। परिणामस्वरूप बच्चों के भीतर धैर्य, सहनशीलता, अनुशासन और जिम्मेदारी जैसे गुण कमजोर पड़ रहे हैं।

संस्कार किसी पुस्तक से नहीं, बल्कि वातावरण से जन्म लेते हैं। बच्चा वही सीखता है, जो वह घर में देखता और महसूस करता है। यदि परिवार में सम्मान, ईमानदारी, अनुशासन और करुणा का वातावरण होगा, तो वही उसके व्यक्तित्व का हिस्सा बनेगा। इसलिए आवश्यक है कि माता–पिता बच्चों के लिए केवल अभिभावक नहीं, बल्कि प्रेरणा भी बनें। आधुनिकता को अपनाना आवश्यक है, लेकिन अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ना उससे भी अधिक आवश्यक है। तकनीक जीवन का साधन बने, संचालक नहीं। यदि परिवार, विद्यालय और समाज मिलकर संस्कार, संवाद और मर्यादा की संस्कृति को पुनर्जीवित करें, तो आने वाली पीढ़ी केवल बुद्धिमान ही नहीं, बल्कि संवेदनशील और चरित्रवान भी बनेगी। यही किसी भी सभ्य समाज की सबसे बड़ी उपलब्धि है।

## नजरिया

# राम मंदिर दान प्रकरण ने उठाए जवाबदेही के गंभीर सवाल

बोध प्रकाश सगुणी

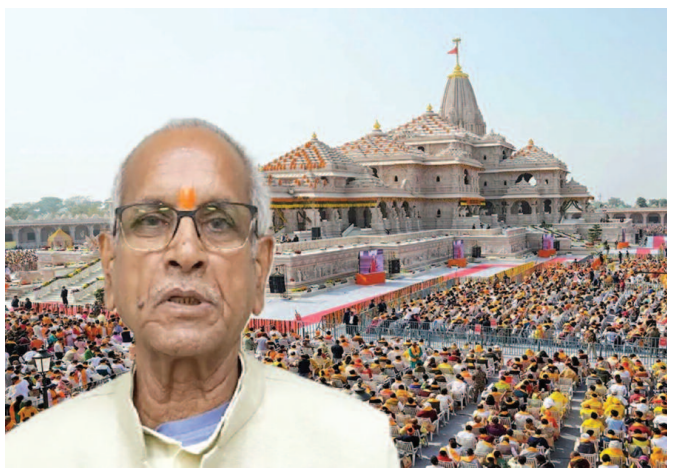

अयोध्या का राम मंदिर करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था, विश्वास और सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक है। देश–विदेश से आने वाले भक्त भगवान राम के चरणों में श्रद्धा स्वरूप दान अर्पित करते हैं। यह दान केवल धन नहीं, बल्कि विश्वास का प्रतीक होता है। ऐसे में यदि दान की राशि में कथित चोरी, लापरवाही या प्रबंधन की विफलता के आरोप सामने आते हैं तो यह केवल एक आपराधिक घटना नहीं रह जाती, बल्कि करोड़ों लोगों की भावनाओं और विश्वास पर भी प्रश्नचिन्ह लगा देती है।

राम मंदिर दान प्रकरण में विशेष जांच दल (एसआईटी) की रिपोर्ट के आधार पर जो बातें सामने आई हैं, वे कई गंभीर सवाल खड़े करती हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि दान की गिनती के दौरान कर्मचारियों द्वारा बार–बार नकदी चोरी की घटनाएं हुईं, कुछ आरोपियों को कथित रूप से सिफारिश के आधार पर नियुक्त किया गया और पहले मिली शिकायतों पर समय रहते कठोर कार्रवाई नहीं की गई। हालांकि इन आरोपों की अंतिम सत्यता न्यायिक और कानूनी प्रक्रिया से ही तय होगी, लेकिन इतना स्पष्ट है कि इस पूरे घटनाक्रम ने मंदिर प्रबंधन व्यवस्था की पारदर्शिता पर व्यापक बहस छेड़ दी है।

किसी भी धार्मिक संस्था की सबसे बड़ी पूंजी उसकी प्रतिष्ठा होती है। यह प्रतिष्ठा वर्षों की सेवा, अनुशासन और ईमानदारी से बनती है, लेकिन छोटी–सी चूक भी उसे गहरी क्षति पहुंचा सकती है। इसलिए धार्मिक ट्रस्टों और संस्थाओं पर सामान्य संस्थानों की तुलना में अधिक नैतिक जिम्मेदारी होती है। उन्हें केवल नियमों का पालन ही नहीं करना चाहिए, बल्कि ऐसा वातावरण भी बनाना चाहिए जिसमें किसी प्रकार के संदेह की गुंजाइश न रहे।

यदि जांच एजेंसियों के आरोप सही सिद्ध होते हैं कि शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया गया या नियुक्तियों में पर्याप्त सतर्कता नहीं बरती गई, तो यह प्रशासनिक जवाबदेही का विषय बनता है। दूसरी ओर, यदि संबंधित अधिकारियों पर लगे आरोप प्रमाणित नहीं होते, तो उन्हें भी निष्पक्ष जांच के माध्यम से अपनी बात रखने और निर्दोष सिद्ध होने का पूरा अवसर मिलना चाहिए। लोकतांत्रिक व्यवस्था का यही मूल सिद्धांत है कि किसी भी व्यक्ति को केवल आरोपों के आधार पर दोषी नहीं माना जा सकता।

इस मामले का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि आधुनिक तकनीक ने कथित अनियमितताओं को उजागर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यदि निगरानी व्यवस्था मजबूत न होती या अतिरिक्त सुरक्षा उपाय न किए गए होते, तो संभव है कि ऐसी घटनाओं का खुलासा देर से होता। इससे स्पष्ट होता है कि संवेदनशील संस्थानों में तकनीकी निगरानी, नियमित ऑडिट और स्वतंत्र निरीक्षण की व्यवस्था लगातार मजबूत की जानी चाहिए।

आज देश के अनेक बड़े मंदिरों में प्रतिदिन लाखों रुपये का दान आता है। ऐसे में केवल कर्मचारियों की ईमानदारी पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है। दान की गिनती, रिकॉर्डिंग, बैंक में जमा करने और लेखा–परीक्षा तक प्रत्येक चरण के लिए स्पष्ट और पारदर्शी प्रणाली होनी चाहिए। प्रत्येक प्रक्रिया में बहुस्तरीय निगरानी, डिजिटल रिकॉर्ड, समय–समय पर स्वतंत्र ऑडिट तथा जिम्मेदार अधिकारियों की स्पष्ट जवाबदेही सुनिश्चित करना समय की मांग है।

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे दुखद पक्ष यह है कि कुछ व्यक्तियों की कथित गलतियों का प्रभाव पूरे मंदिर और उससे जुड़े हजारों ईमानदार कर्मचारियों तथा स्वयंसेवकों की छवि पर भी पड़ता है। इसलिए जांच का उद्देश्य केवल दोषियों को सजा दिलाना नहीं होना चाहिए, बल्कि निर्दोष लोगों की प्रतिष्ठा की भी रक्षा करना होना चाहिए। निष्पक्ष जांच ही समाज में संतुलन और विश्वास बनाए रख सकती है।

धार्मिक संस्थाओं को भी समय के साथ अपने प्रशासनिक ढांचे में सुधार करना होगा। नियुक्तियों में पारदर्शिता, पृष्ठभूमि सत्यापन, कार्यों का स्पष्ट विभाजन, नियमित स्थानांतरण, सीसीटीवी की प्रभावी निगरानी और स्वतंत्र सतर्कता तंत्र जैसी व्यवस्थाएं भविष्य में ऐसी घटनाओं की संभावना को काफी हद तक कम कर सकती हैं। इसके साथ ही शिकायतों के त्वरित निस्तारण की व्यवस्था भी आवश्यक है ताकि प्रारंभिक स्तर पर ही किसी अनियमितता को रोका जा सके।

यह भी आवश्यक है कि इस मामले को राजनीतिक दृष्टिकोण से देखने के बजाय संस्थागत सुधार के अवसर के रूप में लिया जाए। धार्मिक आस्था किसी दल या व्यक्ति से बड़ी होती है। यदि जांच में कोई दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई होनी चाहिए, चाहे उसका पद या प्रभाव कुछ भी हो। वहीं यदि किसी पर लगाए गए आरोप जांच में सही साबित नहीं होते, तो उन्हें भी सार्वजनिक रूप से न्याय मिलना चाहिए।

राम मंदिर केवल एक भवन नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की आस्था का केंद्र है। इसीलिए उससे जुड़ी प्रत्येक व्यवस्था आदर्श, अनुकरणीय और पूरी तरह पारदर्शी होनी चाहिए। विश्वास की रक्षा केवल धार्मिक अनुष्ठानों से नहीं, बल्कि ईमानदार प्रशासन, जवाबदेही और निष्पक्ष व्यवस्था से भी होती है।

आखिरकार, इस प्रकरण का सबसे बड़ा संदेश यही है कि आस्था और प्रशासन का संबंध विश्वास पर टिका होता है। विश्वास तभी मजबूत रहेगा जब हर दान का हिसाब स्पष्ट होगा, हर शिकायत को गंभीरता से लिया जाएगा और हर आरोप की निष्पक्ष जांच होगी। यही वह रास्ता है जिससे न केवल किसी एक मंदिर, बल्कि देश की सभी धार्मिक संस्थाओं की गरिमा और विश्वसनीयता और अधिक मजबूत हो सकती है।

## विचार विंडो

# रिश्तों में भरोसे का संकट और समाज की बढ़ती बेचैनी

ललित गर्ग

भारतीय समाज की सबसे बड़ी शक्ति उसकी पारिवारिक व्यवस्था और रिश्तों में निहित विश्वास रहा है। परिवार केवल खून के रिश्तों का समूह नहीं, बल्कि संस्कार, संवेदना, त्याग और पारस्परिक सम्मान का विद्यालय माना गया है। विवाह को सात जन्मों का बंधन और जीवनभर साथ निभाने का संकल्प समझा गया है। लेकिन हाल के वर्षों में सामने आ रही कुछ घटनाएं इस विश्वास की नींव को झकझोर रही हैं। जब जीवनसाथी, मंगेतर या प्रेम संबंधों में जुड़े लोग ही एक–दूसरे की जान के दुश्मन बन जाएं, तो यह केवल आपराधिक घटना नहीं बल्कि सामाजिक चेतना के लिए गंभीर चेतावनी है।

हाल में पुणे और मेघालय से सामने आए चर्चित हत्या के मामलों ने पूरे देश को सोचने पर मजबूर कर दिया। इन घटनाओं की जांच अभी कानूनी प्रक्रिया में है और अंतिम निष्कर्ष न्यायालय ही तय करेगा, लेकिन इन मामलों ने एक बड़ा प्रश्न जरूर खड़ा कर दिया है कि आखिर रिश्तों में भरोसा इतना कमजोर क्यों होता जा रहा है? यदि किसी संबंध में असहमति है, भविष्य साथ नहीं दिखता या विचार नहीं मिलते, तो कानून और समाज दोनों अलग होने का अधिकार देते हैं। इसके बावजूद हिंसा को समाधान मानने की मानसिकता चिंता का विषय है। आज का समाज तीव्र परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। एक ओर आधुनिक जीवनशैली, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और करियर की दौड़ है, तो दूसरी ओर पारिवारिक अपेक्षाएं, सामाजिक दबाव और भावनात्मक अस्थिरता। इन दोनों के बीच संतुलन बनाने में अनेक युवा संघर्ष कर रहे हैं।

संवाद की कमी, भावनात्मक अपरिपक्वता और त्वरित निर्णय लेने की प्रवृत्ति कई बार रिश्तों को विनाश की ओर ले जाती है। यह स्थिति केवल महिलाओं या पुरुषों तक सीमित नहीं है, बल्कि दोनों पक्षों में असहिष्णुता और आक्रामकता के उदाहरण सामने आ रहे हैं।

डिजिटल युग ने भी रिश्तों की प्रकृति बदल दी है। मोबाइल फोन और सोशल मीडिया ने लोगों को जोड़ने का काम तो किया, लेकिन साथ ही तुलना, दिखावा, तात्कालिक आकर्षण और आभासी संबंधों को भी बढ़ावा दिया। आज कई रिश्ते वास्तविक जीवन की जिम्मेदारियों से अधिक डिजिटल दुनिया की छवि पर आधारित दिखाई देते हैं। जब अपेक्षाएं पूरी नहीं होतीं, तो निराशा, अविश्वास और तनाव जन्म लेते हैं। तकनीक स्वयं समस्या नहीं है, लेकिन उसका असंतुलित उपयोग निश्चित रूप से सामाजिक व्यवहार को प्रभावित कर रहा

है।

परिवारों की बदलती संरचना भी इस संकट का एक कारण है। संयुक्त परिवारों के स्थान पर छोटे परिवार बढ़े हैं, जहां संवाद के अवसर सीमित हो गए हैं। माता–पिता और बच्चों के बीच भावनात्मक दूरी बढ़ रही है। आर्थिक सुविधाएं बढ़ी हैं, लेकिन समय, धैर्य और संस्कारों का निवेश घटा है। परिणामस्वरूप अनेक युवा भावनात्मक समस्याओं का समाधान अकेले खोजने का प्रयास करते हैं, जो कई बार गलत दिशा में चला जाता है।

शिक्षा व्यवस्था भी आत्ममंथन की मांग करती है। विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में रोजगारपरक शिक्षा पर जोर तो है, लेकिन जीवन जीने की कला, भावनात्मक संतुलन, संबंधों की गरिमा और विवाद समाधान जैसे विषय अपेक्षित महत्व नहीं पा सके हैं। यदि युवा पीढ़ी को यह नहीं सिखाया जाएगा कि असहमति का समाधान संवाद से होता है, हिंसा से नहीं, तो केवल कानून के सहारे समाज को सुरक्षित नहीं बनाया जा सकता।

इन घटनाओं पर चर्चा करते समय एक और सावधानी आवश्यक है। किसी भी अपराध को उसके तथ्यों और व्यक्तिगत जिम्मेदारी के आधार पर देखा जाना चाहिए। किसी एक घटना के आधार पर पूरे समुदाय, वर्ग या समाज को दोषी ठहराना न तो न्यायसंगत है और न ही सामाजिक सौहार्द के हित में। भारत की ताकत उसकी विविधता, सहिष्णुता और परस्पर सम्मान की परंपरा में रही है। इसलिए अपराध पर कठोर कार्रवाई और सामाजिक सद्भाव–दोनों समान रूप से आवश्यक हैं।

धार्मिक और सामाजिक संस्थाओं की भूमिका भी इस दौर में अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। सभी धर्म सत्य, करुणा, संयम और अहिंसा का संदेश देते हैं। यदि इन मूल्यों को व्यवहार में उतारने का प्रयास समाज के हर स्तर पर हो, तो अनेक सामाजिक विकृतियों को रोका जा सकता है। परिवारों में संवाद बढ़ाना, युवाओं को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और रिश्तों में पारदर्शिता व सम्मान की भावना विकसित करना समय की आवश्यकता है। सरकार और प्रशासन भी इस दिशा में अपनी भूमिका निभा सकते हैं। विद्यालयों में जीवन–कौशल आधारित शिक्षा, काउंसलिंग व्यवस्था, मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार और साइबर जागरूकता अभियान युवाओं को सकारात्मक दिशा दे सकते हैं। मीडिया की भी जिम्मेदारी है कि वह सनसनी से आगे बढ़कर समाज को समाधान की दिशा दिखाए।

रिश्ते अधिकार से नहीं, विश्वास से चलते हैं। प्रेम का अर्थ स्वामित्व नहीं, बल्कि सम्मान और स्वतंत्रता है। यदि किसी संबंध में साथ चलना संभव नहीं है, तो अलग होने का रास्ता हमेशा हिंसा से बेहतर है। यही संदेश परिवार, समाज और शिक्षा व्यवस्था को नई पीढ़ी तक पहुंचाना होगा।

सभ्यता की पहचान केवल आर्थिक विकास या तकनीकी उपलब्धियों से नहीं होती। उसकी असली पहचान इस बात से होती है कि वहां लोग एक–दूसरे पर कितना भरोसा करते हैं। यदि रिश्तों का विश्वास टूटने लगे, तो समाज की सबसे मजबूत नींव कमजोर हो जाती है। इसलिए आज आवश्यकता केवल अपराधियों को दंडित करने की नहीं, बल्कि विश्वास, संवाद, नैतिकता और मानवीय संवेदनाओं को पुनर्जीवित करने की है। यही प्रयास आने वाली पीढ़ियों को अधिक सुरक्षित, संवेदनशील और जिम्मेदार समाज दे सकता है।

# पिच समझना सबसे जरूरी था : अभिषेक

## अभिषेक की तूफानी पारी पड़ी फीकी

## आयरलैंड ने तोड़ा भारत का अजेय घमंड

## कुछ अहम मौकों का नहीं उठा सके फायदा

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** बेलफास्ट में खेले गए पहले टी-20 मुकाबले में टीम इंडिया को आयरलैंड के खिलाफ 34 रन से हार का सामना करना पड़ा। यह पहली बार है जब इंटरनेशनल क्रिकेट में भारत को आयरलैंड के खिलाफ हार झेलनी पड़ी है। इस हार के बाद भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने टीम की सबसे बड़ी कमजोरी पर खुलकर बात की। अभिषेक शर्मा ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि विदेशी परिस्थितियों को जल्दी समझना और उसके अनुसार ढलना किसी भी टीम के लिए सबसे अहम होता है। उन्होंने माना कि इस मैच में भारतीय खिलाड़ी पिच और मौसम की परिस्थितियों को सही तरीके से समझ नहीं पाए, जिसका सीधा असर प्रदर्शन पर पड़ा। उन्होंने कहा कि लगातार मैचों के कारण खिलाड़ियों को जल्दी एडजस्ट करना पड़ता है, लेकिन इस बार टीम उस तालमेल को बनाने में सफल नहीं रही। मुकाबले की बात करें तो आयरलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 183 रन का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखा। जवाब में भारतीय टीम की बल्लेबाजी लड़खड़ा गई।

अभिषेक शर्मा ने 19 गेंदों में 49 रनों की शानदार पारी खेली, लेकिन दूसरे छोर से उन्हें समर्थन नहीं मिला। पूरी टीम 148 रन पर सिमट गई और मैच हार गई। अब भारत और आयरलैंड के बीच दूसरा टी-20 28 जून को खेला जाएगा, जिसमें टीम इंडिया सीरीज बराबर करने के इरादे से मैदान में उतरेगी। वहीं, कप्तान श्रेयस अय्यर के लिए भी यह मुकाबला अपनी कप्तानी में पहली टी-20 सीरीज बचाने की बड़ी चुनौती होगी।

# 'राका' से फिर छाएगी अल्लू अर्जुन-रश्मिका की जोड़ी

## पुष्पा' की हिट जोड़ी फिर करेगी धमाका

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** 'पुष्पा' में अपनी शानदार केमिस्ट्री से दर्शकों का दिल जीतने वाले अर्जुन और रश्मिका मंदाना एक बार फिर बड़े पर्दे पर साथ नजर आ सकते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एटली के निर्देशन में बन रही फिल्म 'राका' में रश्मिका अहम भूमिका निभाने जा रही हैं। बताया जा रहा है कि फिल्म का पहला शूटिंग शेड्यूल जल्द ही मुंबई में शुरू होगा और रश्मिका भी इस शेड्यूल का हिस्सा बनेंगी। रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया है कि फिल्म में मृणाल ठाकुर और जाह्नवी कपूर भी अहम किरदारों में दिखाई दे सकती हैं। वहीं, शाहरुख खान के कैमियो को लेकर भी चर्चाएं तेज हैं। हालांकि, मेकर्स ने अभी तक इन खबरों की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। हाल ही में अल्लू अर्जुन के जन्मदिन पर फिल्म 'राका' का पहला पोस्टर जारी किया गया था, जिसमें अभिनेता का दमदार और रहस्यमयी लुक देखने को मिला। पोस्टर के साथ मेकर्स ने लिखा, सीमाओं से परे एक विजन के लिए तैयार हो जाइए।" पोस्टर ने सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोरीं।

यदि रश्मिका की एंट्री की खबर आधिकारिक रूप से सही साबित होती है, तो 'पुष्पा' के बाद अल्लू अर्जुन और रश्मिका की सुपरहिट जोड़ी एक बार फिर बॉक्स ऑफिस पर बड़ा धमाका करने के लिए तैयार होगी।

# दिग्गज एक्टर-डायरेक्टर भाग्यराज के निधन से फिल्म इंडस्ट्री स्तब्ध

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** साउथ फिल्म इंडस्ट्री से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। दिग्गज अभिनेता और निर्देशक के. भाग्यराज का 73 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। बताया जा रहा है कि उन्हें कार्डियक अरेस्ट आया था, जिसके बाद उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर से पूरी तमिल फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई है। भाग्यराज ने अपने लगभग पांच दशक लंबे करियर में तमिल सिनेमा को कई यादगार फिल्में दीं और एक शानदार लेखक, निर्देशक और अभिनेता के रूप में अपनी पहचान बनाई। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत छोटी भूमिकाओं और सहायक निर्देशक के रूप में की थी, लेकिन जल्द ही वे सिनेमा के बड़े नामों में शामिल हो गए। उनकी प्रमुख फिल्मों में मुंडनई मुदिचू, चिन्ना वीदु, एंगा चिन्ना रासा और अवसारा पुलिस 100 जैसी सुपरहिट फिल्में शामिल हैं। भाग्यराज की फिल्मों का हिंदी और तेलुगु में भी रीमेक बनाया गया, जिससे उनकी लोकप्रियता पूरे भारत में फैल गई। फिल्मों के अलावा वे लेखक और संपादक के रूप में भी सक्रिय रहे। उनके निधन से साउथ सिनेमा ने एक ऐसे कलाकार को खो दिया है, जिसकी कमी लंबे समय तक महसूस की जाएगी।

# डेटिंग ऐप पर दिखे जैकी भगनानी, वायरल स्क्रीनशॉट ने बढ़ाई हलचल

## 'सिचुएशनशिप' बयान के बाद फिर चर्चा में भगनानी

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** बॉलीवुड अभिनेता और निर्माता जैकी भगनानी एक बार फिर सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गए हैं। इस बार वजह उनकी कोई फिल्म नहीं, बल्कि एक कथित डेटिंग ऐप प्रोफाइल का वायरल स्क्रीनशॉट है। सोशल मीडिया पर यह दावा तेजी से वायरल हो रहा है कि जैकी एक्सक्लूसिव डेटिंग ऐप पर मौजूद हैं। स्क्रीनशॉट सामने आने के बाद इंटरनेट पर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। रेडिट पर शेयर किए गए कथित स्क्रीनशॉट में 'खुं'नाम की एक प्रोफाइल दिखाई दे रही है। इसमें जैकी भगनानी जैसी तस्वीर, का बायो और लोकेशन लंदन (यूके) लिखी हुई नजर आ रही है। एक इनविटेशन और मेंबरशिप आधारित डेटिंग ऐप माना जाता है, जिसका इस्तेमाल कई सेलिब्रिटी और हाई-प्रोफाइल लोग करते हैं। ऐसे में इस स्क्रीनशॉट ने लोगों की जिज्ञासा और बढ़ा दी है। हालांकि, इस वायरल दावे की अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। यह स्पष्ट नहीं है कि यह प्रोफाइल वास्तव में जैकी भगनानी की है, पहले की है या किसी ने फर्जी तरीके से बनाई है। इस पूरे मामले पर जैकी भगनानी या उनकी टीम की ओर से भी अभी तक कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। स्क्रीनशॉट वायरल होने के साथ ही जैकी का कुछ महीने पहले दिया गया 'सिचुएशनशिप' वाला बयान भी फिर सुर्खियों में आ गया है। अप्रैल में एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने कहा था कि शादी के बाद भी उनका और रकुल प्रीत सिंह का रिश्ता एक तरह की "सिचुएशनशिप" जैसा है, क्योंकि दोनों एक-दूसरे से हर बात खुलकर साझा करते हैं। इस बयान को सोशल मीडिया पर अलग-अलग संदर्भों में पेश किया गया, जिसके बाद इसे लेकर काफी बहस हुई थी। बाद में रकुल प्रीत सिंह ने इस विवाद पर सफाई देते हुए कहा था कि जैकी के बयान का गलत अर्थ निकाला गया और उसे संदर्भ से हटाकर पेश किया गया। अब वायरल स्क्रीनशॉट के बाद एक बार फिर यह पुराना बयान चर्चा में है। फिलहाल डेटिंग ऐप से जुड़ा यह दावा अपुष्ट है। जब तक इसकी आधिकारिक पुष्टि या खंडन नहीं होता, तब तक इसे केवल सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे दावे के रूप में ही देखा जाना चाहिए।

# इतिहास रच गया केप वर्डे, फीफा वर्ल्ड कप के नॉकआउट में पहुंचा

## पांच लाख की आबादी लेकिन हौसला करोड़ों का

## अब अर्जेंटीना से होगी टक्कर

## दिग्गजों को चौंकाने वाला सफर

## फीफा वर्ल्ड कप में बड़ा उलटफेर, छोटे से केप वर्डे ने रचा इतिहास

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** फीफा वर्ल्ड कप 2026 में पहली बार हिस्सा लेने वाली केप वर्डे की टीम ने ऐसा इतिहास रच दिया है, जिसने पूरी फुटबॉल दुनिया को चौंका दिया है। करीब 5 लाख की आबादी वाले इस छोटे से अफ्रीकी द्वीपीय देश ने अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर न सिर्फ नॉकआउट चरण में जगह बनाई, बल्कि फीफा वर्ल्ड कप के इतिहास में अंतिम-32 तक पहुंचने वाला सबसे छोटी आबादी वाला देश भी बन गया। यह उपलब्धि केप वर्डे के लिए किसी सपने से कम नहीं है।

ग्रुप एच के अपने आखिरी मुकाबले में केप वर्डे ने सऊदी अरब को 0-0 की बराबरी पर रोककर महत्वपूर्ण अंक हासिल किया। वहीं, इसी ग्रुप के दूसरे मुकाबले में स्पेन ने उरुग्वे को 1-0 से मात दी। इस नतीजे के बाद केप वर्डे 3 अंकों के साथ ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहा और नॉकआउट चरण का टिकट हासिल कर लिया। खास बात यह रही कि टीम ने ग्रुप स्टेज के तीनों मुकाबलों में हार का मुंह नहीं देखा और अपने अनुशासित खेल से सभी का दिल जीत लिया।

अब केप वर्डे की सबसे बड़ी परीक्षा शुरू होने वाली है। राउंड ऑफ-32 में उसका मुकाबला मौजूदा विश्व चैंपियन अर्जेंटीना से होगा। 4 जुलाई को मियामी में खेले जाने वाले इस हाई-वोल्टेज मुकाबले में लियोनेल मेसी की कप्तानी वाली अर्जेंटीना जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। हालांकि, केप वर्डे ने अब तक जिस जज्बे, आत्मविश्वास और टीमवर्क का प्रदर्शन किया है, उसने साबित कर दिया है कि वह किसी भी बड़े प्रतिद्वंद्वी को कड़ी चुनौती देने का दम रखता है।

सऊदी अरब के खिलाफ मैच में केप वर्डे के मुख्य कोच बुबिस्टा ने टीम में कई बदलाव किए, लेकिन अनुभवी गोलकीपर वोजिन्हा पर भरोसा कायम रखा। वोजिन्हा ने पूरे मुकाबले में शानदार गोलकीपिंग करते हुए कई बेहतरीन बचाव किए और टीम को क्लीन शीट दिलाने में अहम भूमिका निभाई। दूसरी ओर, केप वर्डे को भी गोल करने के कई अच्छे मौके मिले, लेकिन खिलाड़ी उन्हें भुना नहीं सके।

ग्रुप एच में स्पेन 7 अंकों के साथ शीर्ष पर रहा, जबकि केप वर्डे 3 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा। उरुग्वे और सऊदी अरब 2-2 अंक लेकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए। अब सभी की नजरें 4 जुलाई को होने वाले मुकाबले पर टिकी हैं, जहां दुनिया की सबसे सफल फुटबॉल टीमों में शामिल अर्जेंटीना के सामने केप वर्डे अपने सुनहरे सफर को और यादगार बनाने के इरादे से मैदान पर उतरेगा। अगर यह छोटी-सी टीम एक और उलटफेर करने में सफल रहती है, तो फीफा वर्ल्ड कप 2026 के सबसे बड़े चमत्कारों में उसका नाम हमेशा के लिए दर्ज हो जाएगा।

# शिवम दुबे की तूफानी बल्लेबाजी का इनाम

## टी-20 में सबसे तेज 1000 रन बनाने वाले तीसरे भारतीय बने

## हार्दिक-संजू को भी छोड़ दिया पीछे

## रिकॉर्डबुक में दर्ज हुआ शिवम दुबे का नाम

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** टीम इंडिया के स्टार ऑलराउंडर शिवम दुबे ने आयरलैंड के खिलाफ पहले टी-20 मुकाबले में अपने नाम एक बड़ी उपलब्धि दर्ज कर ली। बेलफास्ट में खेले गए मैच के दौरान दुबे ने टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट में अपने 1000 रन पूरे किए और इस खास मुकाम तक सबसे तेज पहुंचने वाले भारत के तीसरे बल्लेबाज बन गए।

दुबे ने अपनी पारी का नौवां रन बनाते ही 1000 टी-20क रन पूरे किए। इस उपलब्धि तक पहुंचने के लिए उन्होंने सिर्फ 648 गेंदों का सामना किया। इसके साथ ही उन्होंने हार्दिक पांड्या और संजू सैमसन को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने 1000 रन का आंकड़ा छूने के लिए 679-679 गेंदें खेली थीं। इस सूची में पहले स्थान पर अभिषेक शर्मा (528 गेंद) और दूसरे नंबर पर सूर्यकुमार यादव (573 गेंद) हैं। शिवम दुबे का टी-20 इंटरनेशनल करियर लगातार शानदार रहा है। 65 मैचों की 49 पारियों में उन्होंने 30.78 की औसत और 154.64 के स्ट्राइक रेट से 1016 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 6 अर्धशतक निकले हैं। दुबे अब तक 65 चौके और 65 छक्के भी जड़ चुके हैं। वह 2024 और 2026 में टी-20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम का भी हिस्सा रहे हैं। हालांकि पहले टी-20 में भारत को हार का सामना करना पड़ा, लेकिन दबाव के बीच शिवम दुबे ने 14 गेंदों में 25 रन की तेज पारी खेलकर अपनी उपयोगिता एक बार फिर साबित कर दी। उनकी इस उपलब्धि ने भारतीय क्रिकेट में एक और यादगार रिकॉर्ड जोड़ दिया।

# मंत्रिमंडल विस्तार की आहट, पश्चिमी यूपी की बढ़ेगी भागीदारी

## वेस्ट यूपी की सियासी पकड़ मजबूत होने के संकेत

## सियासत में बड़ा फेरबदल तय, कैबिनेट विस्तार की चर्चा

## अरुण गोविल को मिल सकती बड़ी जिम्मेदारी

**यूनिक समय,लखनऊ।** केंद्र सरकार के संभावित मंत्रिमंडल विस्तार और फेरबदल को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का दौर लगातार तेज होता जा रहा है। इस बीच मेरठ से भारतीय जनता पार्टी के सांसद और प्रसिद्ध अभिनेता अरुण गोविल का नाम संभावित मंत्रियों की सूची में प्रमुख दावेदारों के रूप में चर्चा में आ गया है। हालांकि, अभी तक सरकार या भाजपा संगठन की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

सूत्रों और राजनीतिक अटकलों के अनुसार, इस संभावित कैबिनेट विस्तार में पश्चिमी उत्तर प्रदेश को अधिक प्रतिनिधित्व मिलने की संभावना जताई जा रही है। इसी कड़ी में अरुण गोविल को केंद्र सरकार में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दिए जाने की चर्चा ने जोर पकड़ लिया है। माना जा रहा है कि भाजपा नेतृत्व संगठनात्मक संतुलन, क्षेत्रीय समीकरण और आगामी चुनावी रणनीति को ध्यान में रखते हुए नए चेहरों को मंत्रिमंडल में शामिल कर सकता है।

हाल के दिनों में राजनीतिक हलचल तब और बढ़ गई जब केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात हुई।

इस मुलाकात के बाद मंत्रिमंडल विस्तार की अटकलों को और बल मिला है। हालांकि इस बैठक का आधिकारिक एजेंडा सार्वजनिक नहीं किया गया है, लेकिन इसके बाद राजनीतिक विश्लेषकों और सियासी हलकों में नए समीकरणों को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। अरुण गोविल, जो मेरठ लोकसभा क्षेत्र से भाजपा सांसद हैं, भारतीय टेलीविजन जगत में 'रामायण' सीरियल में भगवान राम की भूमिका निभाकर देशभर में घर-घर लोकप्रिय हुए थे। उनकी यह छवि आज भी उनके राजनीतिक जीवन में एक मजबूत पहचान मानी जाती है। यही कारण है कि उनका नाम संभावित मंत्रियों की सूची में आने के बाद सियासी हलकों में खास चर्चा का विषय बन गया है।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यदि अरुण गोविल को मंत्रिमंडल में स्थान मिलता है तो यह भाजपा के लिए पश्चिमी उत्तर प्रदेश में एक बड़ा राजनीतिक संदेश होगा। इससे क्षेत्रीय संतुलन के साथ-साथ पार्टी की पकड़ और मजबूत होने की संभावना है। साथ ही यह कदम आने वाले चुनावों में भी संगठन को लाभ पहुंचा सकता है।

फिलहाल यह सभी चर्चाएं केवल राजनीतिक अटकलों पर आधारित हैं और किसी भी प्रकार की आधिकारिक घोषणा का इंतजार किया जा रहा है। आने वाले दिनों में स्थिति स्पष्ट होने के बाद ही पूरी तस्वीर सामने आएगी कि मंत्रिमंडल विस्तार में किन नए चेहरों को जगह मिलती है और किन्हें बड़ी जिम्मेदारियां सौंपी जाती हैं।

# आगरा नगर निगम ने अवैध निर्माण को बुलड़ोजर से ढहाया

## सिकंदरा में 80 वर्ग गज सरकारी जमीन से अवैध कब्जा हटाया

**यूनिक समय, आगरा।** आगरा के सिकंदरा क्षेत्र में नगर निगम ने अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए बाबरपुर स्थित सद्भाव मंडप के पास लगभग 80 वर्ग गज सरकारी जमीन को अवैध कब्जे से मुक्त करा लिया। शिकायत मिलने के बाद नगर निगम की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की, जिसमें कब्जे की पुष्टि हुई। इसके बाद टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए वहां बनाई गई अवैध दीवार को जेसीबी की मदद से ढहा दिया और पूरे क्षेत्र को खाली कराया। इस कार्रवाई से स्थानीय लोगों में भी हलचल देखी गई, जबकि मौके पर मौजूद लोगों ने नगर निगम की सख्त कार्रवाई का समर्थन किया। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार, सरकारी जमीनों पर किसी भी तरह का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और ऐसे मामलों में लगातार अभियान चलाया जा रहा है। कार्रवाई के बाद जमीन को पूरी तरह खाली कराकर उसे निगम के नियंत्रण में ले लिया गया है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि आगे भी ऐसे अतिक्रमणों पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी ताकि सरकारी संपत्तियों को सुरक्षित रखा जा सके और भूमाफियाओं पर रोक लगाई जा सके।

# मुख्यमंत्री योगी कल आगरा दौरे पर, विकास कार्यों की करेंगे समीक्षा

## तीन घंटे रहेंगे शहर में, कानून व्यवस्था पर भी होगी बैठक

## पीडब्ल्यूडी परियोजनाओं और नई योजनाओं पर रहेगा विशेष फोकस

**यूनिक समय, आगरा।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 28 जून को आगरा के दौरे पर रहेंगे। प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार वह हाथरस में कार्यक्रम में शामिल होने के बाद दोपहर करीब 12:40 बजे खेरिया हवाई अड्डे पहुंचेंगे। इसके बाद मंडलायुक्त कार्यालय में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे। मुख्यमंत्री लगभग तीन घंटे तक आगरा में रहेंगे। इस दौरान लोक निर्माण विभाग की चल रही परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करेंगे और नई विकास योजनाओं पर चर्चा करेंगे।

इसके अलावा आगरा मंडल के विकास कार्यों तथा कानून व्यवस्था की भी विस्तृत समीक्षा की जाएगी। मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। सभी विभागों से योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट मांगी गई है और संभावित नई परियोजनाओं का खाका भी तैयार किया गया है। बैठक में जनप्रतिनिधियों और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से भी मुख्यमंत्री की चर्चा प्रस्तावित है। समीक्षा बैठक के बाद मुख्यमंत्री शाम करीब चार बजे खेरिया हवाई अड्डे से लखनऊ के लिए रवाना होंगे।

# लाइनमैन की मौत के बाद पावर हाउस पर तनाव

**यूनिक समय,वाराणसी।** वाराणसी के भेलूपुर थाना क्षेत्र स्थित भदैनी पावर हाउस में तैनात संविदा लाइनमैन की करंट लगने से मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब वह पांडेय घाट के पास बिजली सुधार कार्य कर रहा था। मृतक की पहचान 40 वर्षीय भरत लाल राजभर के रूप में हुई है। काम के दौरान वह हाई वोल्टेज करंट की चपेट में आ गया और गंभीर रूप से झुलस गया। साथियों ने तुरंत उसे बीएचयू ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। परिवार में घटना के बाद कोहराम मच गया। परिजनों ने आरोप लगाया कि उसे बिना सुरक्षा इंतजाम खंभे पर चढ़ाया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और परिजनों की शिकायत के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

# कीथम गुड्स शेड पर शीघ्र लोडिंग कार्य शुरु होगा

## कुबेरपुर एवं मथुरा जंक्शन पर 24 घण्टे कार्य व्यवस्था सुनिश्चित करने का अनुरोध

**यूनिक समय, आगरा।** गोवर्धन सभागार में आगरा परिक्षेत्र के रेल फ्रेट ग्राहकों के साथ बैठक की गई। इसका उद्देश्य रेल माल परिवहन से जुड़े व्यापारियों एवं ग्राहकों की समस्याओं, सुझावों तथा अपेक्षाओं को जानना और उन्हें बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना था।

रेलवे अधिकारियों ने माल ढुलाई सेवाओं में उपलब्ध सुविधियों, नई नीतियों तथा ग्राहक हित में किए जा रहे सुधारात्मक प्रयासों की जानकारी प्रदान की। कहा कि माल ढुलाई में वृद्धि तथा नए यातायात की खोज के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं।

इसी क्रम में नव विकसित कीथम गुड्स शेड पर शीघ्र लोडिंग कार्य प्रारंभ करने के लिए प्रोत्साहित किया गया , जिससे क्षेत्रीय व्यापार एवं उद्योगों को बेहतर रेल माल परिवहन सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। कीथम गुड्स शेड का उपयोग न केवल व्यापारियों को तेज़, सुरक्षित एवं किफायती रेल माल परिवहन उपलब्ध कराएगा, बल्कि क्षेत्र में व्यापार एवं औद्योगिक गतिविधियों को भी नई गति प्रदान करेगा। कुबेरपुर एवं मथुरा जंक्शन पर 247 कार्य व्यवस्था सुनिश्चित करने का अनुरोध भी किया गया, जिससे माल लदान एवं अनलोडिंग कार्यों में तेजी आएगी तथा ग्राहकों को और अधिक सुविधाजनक एवं समयबद्ध सेवाएं प्राप्त होंगी।

व्यापारियों एवं ग्राहकों ने माल परिवहन से संबंधित अपने सुझाव एवं समस्याएं साझा कीं।

रेल अधिकारियों ने कहा कि ग्राहकों की संतुष्टि और व्यापारिक आवश्यकताओं के अनुरूप सेवाओं का निरंतर विस्तार एवं सुधार रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता है। रेल प्रशासन का उद्देश्य माल ग्राहकों को त्वरित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करते हुए माल ढुलाई में निरंतर वृद्धि करना है।

बैठक में मंडल रेल प्रबंधक, गगन गोयल के साथ अपर मंडल रेल प्रबंधक गिरीश कुमार गुप्ता, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अंकित गुप्ता, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक (समन्वय) कुलदीप मीना, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (समन्वय) शैलेश कुमार, वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (सामान्य) आर.के. बघेला, सहायक वाणिज्य प्रबंधक (कोचिंग) संजय कुमार गौतम, सहायक वाणिज्य प्रबंधक (फ्रेट) संजीव जाटव, सहायक परिचालन प्रबंधक ऋषिकांत आदि उपस्थित थे।

# राम मंदिर चंदा चोरी मामले में बड़ा एक्शन

## एसआईटी जांच तेज-8 गिरफ्तार, कई और बड़े खुलासों की संभावना

## 45 दिनों में 70 बार चढ़ावा चोरी का खुलासा

**यूनिक समय,लखनऊ।** राम मंदिर चंदा चोरी मामले में जांच अब और तेज हो गई है। पुलिस ने एसआईटी के साथ मिलकर पूरी जांच प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की तैयारी कर ली है। इस केस में गिरफ्तार किए गए सभी आठ आरोपियों को सोमवार को रिमांड पर लिया जाएगा, जिसके बाद उनसे गहन पूछताछ की जाएगी। जांच एजेंसियों का मानना है कि जैसे-जैसे रिमांड की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी, वैसे-वैसे इस मामले में कई बड़े और चौंकाने वाले खुलासे सामने आ सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक, पूछताछ के दौरान हर आरोपी की भूमिका अलग-अलग तरीके से खंगाली जाएगी। टिन्नू यादव से यह सवाल किए जाएंगे कि उसे मंदिर में किसने लाया, दानपात्र और कलेक्शन सेंटर की जिम्मेदारी किसने दी और वह किसे रिपोर्ट करता था। इसके अलावा उसके मोबाइल कॉल डिटेल्स, संपर्क और संपत्ति की भी जांच होगी। अन्य आरोपियों जैसे अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा, मनीष यादव, करुणेश पांडे, अविनाश शुक्ला और सुभाष श्रीवास्तव के बैंक खातों, कॉल रिकॉर्ड और संपत्ति की गहन जांच की जा रही है। आरोप है कि कुछ लोग आउटसोर्स कर्मचारी के तौर पर काम करते हुए अचानक बड़ी संपत्ति के मालिक बन गए, जिससे जांच एजेंसियां भी हैरान हैं।

सीसीटीवी फुटेज के आधार पर भी कई संदिग्ध गतिविधियां सामने आई हैं, जिसमें चढ़ावे और जेवरात की हेराफेरी के संकेत बताए जा रहे हैं। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि चोरी की रकम और कीमती सामान आखिर कहां-कहां पहुंचाया गया। इस बीच राजनीतिक हलचल भी तेज हो गई है। कांग्रेस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर तीन प्रमुख मांगें उठाई हैं-ट्रस्ट को भंग करना, सुप्रीम कोर्ट के सिटिंग जज की निगरानी में जांच और सभी आरोपियों की तुरंत गिरफ्तारी।

# फर्जी सर्टिफिकेट से एमबीबीएस दाखिला घोटाला

**यूनिक समय,झांसी।** झांसी में पुलिस ने फर्जी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी प्रमाणपत्र के आधार पर एमबीबीएस में दाखिला दिलाने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के सदस्य सुरेश चंद्रा को गिरफ्तार किया है। आरोपी वाराणसी के आनंद विहार पहाड़िया क्षेत्र का निवासी बताया गया है। यह मामला तब सामने आया जब एमबीबीएस दाखिले के लिए जमा किए गए स्वतंत्रता सेनानी कोटे के प्रमाणपत्रों की सत्यता पर सवाल उठे। जांच के बाद सितंबर 2025 में नौ छात्रों समेत कई लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई थी। इसके बाद पुलिस ने मामले की गहन जांच शुरू की। अब तक इस केस में कुल छह आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस के अनुसार यह गिरोह फर्जी दस्तावेज तैयार कर मेडिकल कॉलेजों में दाखिले दिलाने का बड़ा नेटवर्क चला रहा था, जिसमें कई राज्यों के लोग शामिल हो सकते हैं। अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि दस्तावेजों की जांच में फर्जीवाड़ा सामने आने के बाद कार्रवाई तेज की गई।

# ग्रेटर आगरा प्रोजेक्ट पर किसानों का हल्ला बोल

## सैकड़ों ग्रामीणों ने रोका काम, अनिश्चितकालीन धरना शुरू

## लाठी-डंडे लेकर पहुंचे ग्रामीण, काम ठप

**यूनिक समय, आगरा।** आगरा के एत्मादपुर तहसील क्षेत्र के रहनकला-रायपुर में बन रहे ग्रेटर आगरा प्रोजेक्ट पर किसानों का विरोध तेज हो गया है। भूमि अधिग्रहण और मुआवजे को लेकर असंतोष के बीच शुक्रवार को सैकड़ों किसान और महिलाएं लाठी-डंडों के साथ मौके पर पहुंच गए और चल रहे निर्माण कार्य को रोक दिया।

भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के बैनर तले हुए इस प्रदर्शन में ग्रामीणों ने मनोहरपुर गांव के पास चल रहे काम को पूरी तरह ठप करा दिया। इसके बाद किसानों ने वहीं पर अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया और साफ चेतावनी दी कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक किसी भी तरह का निर्माण कार्य शुरू नहीं होने दिया जाएगा।

किसानों का आरोप है कि उन्हें भूमि अधिग्रहण के बदले उचित मुआवजा नहीं दिया जा रहा है, जिससे उनमें भारी नाराजगी है। मौके पर तनाव बढ़ने की सूचना पर थाना पुलिस भी पहुंची और हालात को संभालने तथा किसानों को समझाने का प्रयास किया। हालांकि किसान अपने रुख पर अड़े रहे।

फिलहाल प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है, जबकि प्रोजेक्ट स्थल पर काम पूरी तरह रुक गया है।

# प्रदर्शन के दौरान सांसद बेहोश समर्थकों में अफरा-तफरी

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** खुफिया एजेंसियों ने उत्तराखंड और दिल्ली में संभावित आतंकी हमले को लेकर हाई अलर्ट जारी किया है। सूत्रों के अनुसार, खालिस्तानी आतंकियों द्वारा मंदिरों, रेलवे स्टेशनों, सरकारी संस्थानों और पुलिस प्रतिष्ठानों को निशाना बनाए जाने की आशंका जताई गई है। एक संदिग्ध ईमेल मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह सतर्क हो गई हैं और संवेदनशील स्थानों पर निगरानी बढ़ा दी गई है। बताया जा रहा है कि ईमेल में कई प्रमुख मंदिरों, सरकारी कार्यालयों और राजनीतिक नेताओं का भी उल्लेख किया गया है। इसके बाद उत्तराखंड पुलिस, दिल्ली पुलिस और केंद्रीय खुफिया एजेंसियों ने संयुक्त रूप से जांच शुरू कर दी है।

सार्वजनिक स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष नजर रखी जा रही है। हालांकि, दिल्ली सहित कई शहरों में पहले भी धमकी भरे ईमेल मिलते रहे हैं, जिनमें अधिकांश बाद में फर्जी साबित हुए। इसके बावजूद इस बार सुरक्षा एजेंसियां किसी भी तरह का जोखिम नहीं लेना चाहतीं और हर पहलू की गंभीरता से जांच कर रही हैं। इसी बीच, राजस्थान में हाल ही में आतंकवाद विरोधी दस्ते ने एक महिला को हिरासत में लिया था, जिस पर पाकिस्तानी आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े लोगों के संपर्क में होने का संदेह है। जांच में उसके मोबाइल और सोशल मीडिया अकाउंट से कई संदिग्ध विदेशी संपर्क सामने आए हैं। अधिकारियों के अनुसार, महिला के व्हाट्सएप संपर्कों में कुछ पाकिस्तानी नंबर भी मिले हैं, जिनकी जांच जारी है। सुरक्षा एजेंसियों ने आम नागरिकों से भी सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की है।

# खालिस्तानी आतंकी खतरे पर देशभर हाई अलर्ट

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** खुफिया एजेंसियों ने उत्तराखंड और दिल्ली में आतंकी हमले की आशंका को देखते हुए हाई अलर्ट जारी किया है। खालिस्तानी आतंकी मंदिरों, रेलवे स्टेशन, सरकारी भवनों और पुलिस ठिकानों को निशाना बना सकते हैं। एक संदिग्ध ईमेल मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हैं और संवेदनशील स्थानों पर निगरानी बढ़ाई गई है। ईमेल में कई मंदिरों, दफ्तरों और नेताओं के नाम का उल्लेख बताया गया है। इसके बाद दिल्ली और उत्तराखंड पुलिस ने संयुक्त जांच शुरू की है और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। हालांकि पहले भी ऐसे कई धमकी भरे ईमेल फर्जी साबित हुए हैं फिर भी एजेंसियां कोई जोखिम नहीं लेना चाहतीं। राजस्थान में एक महिला के आतंकी नेटवर्क से जुड़े होने की जांच जारी है।

## सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह सतर्क हुईं

# मानसून की दस्तक से बढ़ीं मुश्किलें, कई राज्यों में अलर्ट

## कई राज्यों में चेतावनी जारी

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** देशभर में मानसून तेजी से सक्रिय होता जा रहा है और इसके साथ ही कई राज्यों में भारी बारिश ने जनजीवन को प्रभावित करना शुरू कर दिया है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने पश्चिम बंगाल, सिक्किम और पूरे उत्तर-पूर्वी भारत के लिए भारी से बहुत भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। लगातार हो रही वर्षा के चलते इन क्षेत्रों में भूस्खलन, जलभराव और सड़क संपर्क बाधित होने का खतरा बढ़ गया है। मौसम विभाग ने लोगों को सतर्क रहने और अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी है। वहीं, हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में मानसून के औपचारिक आगमन से पहले ही मूसलाधार बारिश ने हालात बिगाड़ दिए। ढली क्षेत्र में तेज बारिश के कारण नालों में मलबा आ गया, जिससे कई वाहन उसकी चपेट में आ गए। शहर की कई प्रमुख सड़कें पानी में डूब गईं और कई इलाकों में घरों में भी पानी घुस गया। जल निकासी व्यवस्था फेल होने से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। बारिश के कारण स्कूलों की छुटटी और कार्यालयों से लौट रहे लोगों को घंटों ट्रैफिक जाम में फंसे रहना पड़ा। घने बादलों के कारण शाम करीब चार बजे ही अंधेरा छा गया। मौसम विभाग ने शिमला, चंबा, कुल्लू, मंडी और सिरमौर जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी करते हुए अगले सात दिनों तक बारिश और तेज हवाएं चलने की संभावना जताई है। विभाग के अनुसार 1 और 2 जुलाई को पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से पहाड़ी क्षेत्रों में भारी बारिश हो सकती है। प्रशासन ने पर्यटकों और स्थानीय लोगों से नदी-नालों, भूस्खलन संभावित क्षेत्रों और पहाड़ी ढलानों से दूर रहने की अपील की है। इधर, मानसून गुजरात और मध्य प्रदेश में पूरी तरह सक्रिय हो चुका है, जबकि छत्तीसगढ़, झारखंड और बिहार के अधिकांश हिस्सों को भी कवर कर चुका है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार अब उत्तर प्रदेश और राजस्थान में भी जल्द मानसून की एंट्री होने वाली है। इसके प्रभाव से इन राज्यों में भी अगले कुछ दिनों में अच्छी बारिश होने की संभावना है। हालांकि बारिश से गर्मी से राहत मिलेगी, लेकिन कई इलाकों में जलभराव, बाढ़ और यातायात प्रभावित होने जैसी समस्याएं भी सामने आ सकती हैं। ऐसे में प्रशासन ने लोगों से मौसम विभाग की सलाह का पालन करने और खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने की अपील की है।

# अमेरिका छोड़ यूरोप का रुख कर रहे भारतीय छात्र

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** उच्च शिक्षा के लिए अमेरिका जाने वाले भारतीय छात्रों का रुझान तेजी से बदल रहा है। वीजा मिलने में लंबी देरी, पढ़ाई के बाद नौकरी के सीमित अवसर और सख्त आव्रजन नीतियों के कारण बड़ी संख्या में छात्र अब यूरोपीय देशों का रुख कर रहे हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार जून 2026 में अमेरिका में भारतीय छात्रों की संख्या घटकर करीब 3.52 लाख रह गई, जबकि पिछले वर्ष यह लगभग 3.82 लाख थी। यानी एक वर्ष में करीब 30 हजार छात्रों ने अमेरिका में अपनी पढ़ाई बीच में छोड़कर या योजना बदलकर यूरोप की यूनिवर्सिटियों में प्रवेश लिया। विशेषज्ञों का कहना है कि जर्मनी, फ्रांस और नीदरलैंड्स जैसे देश आसान वीजा प्रक्रिया, पढ़ाई के बाद रोजगार के बेहतर अवसर और अपेक्षाकृत कम फीस के कारण भारतीय छात्रों की पहली पसंद बन रहे हैं। कई सरकारी विश्वविद्यालयों में ट्यूशन फीस भी बेहद कम या नगण्य है। जर्मनी में भारतीय छात्रों की संख्या लगातार बढ़ी है और वे वहां विदेशी छात्रों का सबसे बड़ा समूह बन चुके हैं। वहीं कनाडा में भी अंतरराष्ट्रीय छात्रों की संख्या में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है।

## अमेरिका में घटी भारतीय छात्रों की संख्या

## वीजा देरी से बढ़ा छात्रों का पलायन

# मोहब्बत, मजबूरी और कत्ल का सनसनीखेज राज

## इसलिए रची गई खूनी साजिश

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** पुणे के बहुचर्चित केतन अग्रवाल हत्याकांड में पुलिस जांच के दौरान कई चौंकाने वाले खुलासे सामने आए हैं। पुलिस के अनुसार, मुख्य आरोपी सिया गोयल ने पूछताछ में स्वीकार किया कि वह केतन से शादी नहीं करना चाहती थी, लेकिन परिवार के दबाव के कारण रिश्ता तय हुआ था। जांच एजेंसियों का दावा है कि इसी वजह से सिया ने अपने कथित प्रेमी चेतन के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची। बताया जा रहा है कि दोनों ने राजस्थान यात्रा के दौरान पूरी योजना तैयार की और बाद में वारदात को अंजाम दिया। पुलिस का कहना है कि घटना के बाद सबूत मिटाने के लिए मोबाइल चैट, कॉल रिकॉर्ड और अन्य डिजिटल साक्ष्य हटाने की कोशिश भी की गई। जांच टीम इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, सीसीटीवी फुटेज और कॉल डिटेल रिकॉर्ड की मदद से पूरे घटनाक्रम की कड़ियां जोड़ रही है। अधिकारियों के मुताबिक, मामले में जुटाए गए साक्ष्यों के आधार पर जल्द ही चार्जशीट दाखिल की जाएगी। पुलिस का कहना है कि जांच अंतिम चरण में है और जल्द इस सनसनीखेज हत्याकांड से जुड़े सभी तथ्यों का खुलासा किया जाएगा।

# भारत से छिना मंगला पोर्ट चीन ने मारी बाजी

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** बांग्लादेश ने रणनीतिक रूप से अहम मंगला पोर्ट के विकास की जिम्मेदारी चीन को सौंपने का फैसला किया है। यह वही परियोजना है, जिसे वर्ष 2015 में भारत को विकसित करने के लिए आवंटित किया गया था। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान की चीन यात्रा के दौरान इस संबंध में समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। अब चीन की सरकारी कंपनी चाइना सिविल इंजीनियरिंग कंस्ट्रक्शन कॉर्पोरेशन (सीईसीसी) बांग्लादेश इकोनॉमिक जोन्स अथॉरिटी के साथ मिलकर इस परियोजना पर काम करेगी। मंगला पोर्ट भारतीय सीमा से करीब 80 किलोमीटर दूर स्थित है, इसलिए इसे सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यहां चीन की बढ़ती मौजूदगी से क्षेत्र में उसकी रणनीतिक पकड़ मजबूत होगी। भारत इस बंदरगाह के जरिए दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के साथ व्यापार बढ़ाने और कोलकाता पोर्ट पर दबाव कम करने की योजना बना रहा था। वहीं बांग्लादेश ने सरकारी स्कूलों में तीसरी भाषा के रूप में मंदारिन पढ़ाने की भी घोषणा की है।

# 120 की रफ्तार से दौड़ी भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन

## सफल हुआ हाई-स्पीड ट्रायल

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** भारतीय रेलवे ने हरित परिवहन की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन का फाइनल हाई-स्पीड ट्रायल सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। दिल्ली-जींद रेलखंड पर हुए इस परीक्षण के दौरान ट्रेन ने 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार हासिल की। ट्रायल के दौरान ट्रेन के ब्रेकिंग सिस्टम, इंजन की क्षमता, ट्रैक पर स्थिरता, कंपन स्तर और सुरक्षा मानकों की गहन जांच की गई। पूरा परीक्षण रिसर्च डिजाइंस एंड स्टैंडर्ड्स ऑर्गेनाइजेशन (फ्लरड) की तकनीकी टीम की निगरानी में संपन्न हुआ। यह ट्रेन पूरी तरह हाइड्रोजन फ्यूल सेल तकनीक पर आधारित है, जिसे पर्यावरण के अनुकूल परिवहन का भविष्य माना जा रहा है। इस तकनीक में हाइड्रोजन और ऑक्सीजन की रासायनिक प्रक्रिया से बिजली उत्पन्न होती है, जिससे ट्रेन संचालित होती है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि संचालन के दौरान धुआं या हानिकारक गैसें नहीं निकलतीं। केवल पानी और भाप उत्सर्जित होती है, जिससे वायु और ध्वनि प्रदूषण लगभग समाप्त हो जाता है। रेल मंत्रालय के अनुसार, यह हाइड्रोजन ट्रेन हरियाणा के जींद और सोनीपत के बीच चलाई जाएगी। जिन रेल मार्गों पर अभी तक ओवरहेड इलेक्ट्रिक वायरिंग उपलब्ध नहीं है, वहां यह तकनीक बेहद उपयोगी साबित हो सकती है। ट्रेन का बाहरी रंग नीला रखा गया है और इसमें आधुनिक सुविधाओं के साथ अत्याधुनिक सुरक्षा प्रणाली भी शामिल की गई है। इससे पहले ट्रेन का लो-स्पीड ट्रायल भी सफल रहा था। अब हाई-स्पीड परीक्षण में सफलता मिलने के बाद इसे व्यावसायिक सेवा के लिए मंजूरी देने की प्रक्रिया तेज होने की उम्मीद है। यदि सभी औपचारिकताएं समय पर पूरी हो जाती हैं, तो अगले महीने से यह ट्रेन यात्रियों के लिए पटरियों पर दौड़ती दिखाई दे सकती है। गौरतलब है कि भारतीय रेलवे ने 27 मई को जींद-सोनीपत सेक्शन पर 10 कोच वाली हाइड्रोजन फ्यूल सेल आधारित ट्रेन के संचालन को मंजूरी दी थी। यह ट्रेन 1200 किलोवाट हाइड्रोजन फ्यूल सेल प्रोपल्शन सिस्टम से लैस है। विशेषज्ञों का मानना है कि हाइड्रोजन ट्रेनें भविष्य में भारत के रेल नेटवर्क को अधिक स्वच्छ, टिकाऊ और ऊर्जा दक्ष बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। यह उपलब्धि भारत को ग्रीन ट्रांसपोर्ट तकनीक अपनाने वाले देशों की अग्रिम पंक्ति में खड़ा करने की दिशा में अहम कदम मानी जा रही है।

# लाल किला ब्लास्ट केस में तीन और आरोपी बेनकाब

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने नवंबर 2025 में दिल्ली के लाल किला क्षेत्र में हुए कार बम विस्फोट मामले में तीन और आरोपियों के खिलाफ सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की है। इस आतंकी हमले में 11 लोगों की मौत हुई थी। नए आरोपियों में तुफैल अहमद भट, मुजफ्फर अहमद उर्फ फराज उर्फ जफर और जमीर अहमद आहंगर शामिल हैं। इनके साथ इस मामले में अब तक चार्जशीट किए गए आरोपियों की संख्या बढ़कर 13 हो गई है।

एनआईए के अनुसार, फरार आरोपी मुजफ्फर अहमद आतंकी संगठन के मॉड्यूल का प्रमुख सदस्य था और उसने मुख्य आरोपी डॉ. उमर उन नबी समेत अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर विस्फोट की साजिश रची।

जांच में यह भी सामने आया कि जमीर हथियार, गोला-बारूद और नकदी पहुंचाने का काम करता था, जबकि तुफैल ने मुख्य आरोपी को राइफल, पिस्तौल और कारतूस उपलब्ध कराए थे।

एजेंसी ने जियो-लोकेशन, फॉरेंसिक साक्ष्यों और वित्तीय लेनदेन के विश्लेषण के आधार पर आरोपियों के बीच संबंधों का खुलासा किया है। एनआईए का कहना है कि मामले की जांच अभी जारी है और पूरे नेटवर्क की गहराई से पड़ताल की जा रही है।

# वृंदावन आएं हैं तो बांकेबिहारी के दर्शन करके लौटेंगे

प्रमुख संवाददाता

**यूनिक समय, वृंदावन।** शनिवार का दिन। छुट्टी होने के कारण कई शहरों से आए श्रद्धालुओं के दिल में ठाकुर बांकेबिहारी महाराज के झलक पाने की लालसा, लेकिन मंदिर के दर पर पहुंचने में निकल रही जान। भीड़ इतनी अधिक कि कई श्रद्धालु निराश होकर भीड़ के बीच से बाहर निकल आए और बोले.. जय हो ठाकुर बांकेबिहारी महाराज। इतनी भीड़ में तो आपकी झलक पा नहीं आ सके। वह बाहर से शीश झुकाकर हाथ जोड़ते हैं। फिर कभी आएंगे आपके दरबार में।

तीन दिन का अवकाश होने के दूसरे दिन शनिवार को सुबह से ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में दर्शन करने के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की लंबी लाइन। भीड़ को नियंत्रण करने के लिए पुलिस की बैरीकेडिंग। मंदिर में दर्शन करके लौटते श्रद्धालुओं की खबर के साथ बैरीकेडिंग खुलते ही श्रद्धालुओं के बीच भागमभाग की स्थिति का नजारा। श्रद्धालु इस तरह से भागते नजर आते हैं, जैसे फिर ठाकुर बांकेबिहारी महाराज के दर्शन नहीं मिलेंगे। मन में एक लालसा होती है कि वृंदावन आएं हैं तो बांकेबिहारी के दर्शन करके लौटेंगे। इन श्रद्धालुओं के बीच कुछ ऐसे परिवार होते हैं, जिनकी गोदी में छोटे–छोटे बच्चे होते हैं। भीड़ में धक्का मुक्की और बच्चों को देखकर वह बाहर से शीश झुकाकर और हाथ जोड़कर घरों को लौट जाते हैं।

ठाकुर बाकेबिहारी महाराज के दर्शन को आए श्रद्धालुओं की भीड़ का नजारा।

## भीड़ को देखकर मायूस होकर लौटते हैं अनेक भक्त

वायदा कर जाते हैं कि फिर मौका मिलेगा तो एक बार आपकी शरण में जरुर आएंगे। भीड़ के कारण अधिकांश स्थानीय भक्तों ने भी रोजाना मंदिर आना बंद कर दिया है। उनका कहना है कि भीड़ इतनी अधिक होती है कि खड़े होने में परेशानी सी होती है। इससे अच्छा है कि घर से ठाकुर बांकेबिहारी महाराज का नाम ले लो।

# महाअभियान में 36,900 रुपये का जुर्माना, 17 किलो पॉलीथिन जब्त

**यूनिक समय, मथुरा।** हम सबने ठाना है, ब्रज को स्वच्छ बनाना है, महाअभियान के तहत गुरुवार को भी स्वच्छता, जन–जागरूकता और प्रवर्तन अभियान जारी रहा। नगर निगम की टीमों ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अतिक्रमण हटाने के साथ सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी फैलाने और प्रतिबंधित पॉलीथीन के उपयोग के खिलाफ कार्रवाई की। अभियान के दौरान अतिक्रमण पर 8,500 रुपये, गंदगी फैलाने पर 8,400 रुपये और प्रतिबंधित पॉलीथीन के उपयोग-भंडारण पर 20,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया। 17 किलोग्राम प्रतिबंधित पॉलीथीन भी जब्त की गई। कुल 36,900 रुपये की प्रवर्तनात्मक कार्रवाई की गई।

स्वच्छता अभियान में सफाई करते हुए कर्मचारी।

# धौलपुर तक चलेगी नई दिल्ली–कोसीकलां ईएमयू

**यूनिक समय, मथुरा।** रेल यात्रियों की सुविधा को देखते हुए रेलवे ने नई दिल्ली- कोसीकलां दैनिक 12 कोच ईएमयू ट्रेन का संचालन धौलपुर स्टेशन तक बढ़ाने का निर्णय लिया है। यह व्यवस्था आगामी आदेशों तक प्रभावी रहेगी। ट्रेन के धौलपुर तक विस्तार के साथ ही इसकी समय–सारिणी में भी आवश्यक संशोधन किए गए हैं। अब यह ईएमयू ट्रेन नई दिल्ली से चलकर कोसीकलां के बजाय धौलपुर तक जाएगी, वापसी में धौलपुर से नई दिल्ली के लिए जाएगी। इस निर्णय से कोसीकलां, मथुरा, आगरा और धौलपुर के बीच यात्रा करने वाले हजारों दैनिक यात्रियों, नौकरीपेशा लोगों, विद्यार्थियों और अन्य यात्रियों को सीधा लाभ मिलेगा।

# चोरी की बिजली से चार्ज हो रहे थे ई–रिक्शा

अजय नगर में बिजली चोरों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए विद्युत अधिकारी।

**यूनिक समय, मथुरा।** बिजली चोरी रोकने के लिए विभाग ने शनिवार तड़के शहर के गोवर्धन रोड स्थित अजय नगर कॉलोनी में अभियान चलाया। अभियान के दौरान छह स्थानों पर बिजली चोरी पकड़ी गई। इनमें एक स्थान पर अतिरिक्त केबल डालकर करीब आधा दर्जन ई–रिक्शा चार्ज किए जा रहे थे।

शहरी क्षेत्र के सहायक अभियंता (रेड्स) सतेन्द्र कुमार और उपखंड अधिकारी सीपी शर्मा के निर्देशन में चेकिंग टीम ने कार्रवाई की। सूचना के आधार पर टीम ने अजय नगर कॉलोनी में छापा मारा, जहां अतिरिक्त केबल के माध्यम से अवैध रूप से बिजली का उपयोग किया जा रहा था। जांच में

## गोवर्धन रोड पर छापा, छह स्थानों पर पकड़ी चोरी

करीब पांच किलोवाट का अवैध विद्युत भार मिला। इसके अलावा पांच अन्य स्थानों पर भी अतिरिक्त केबल डालकर बिजली चोरी करते हुए लोग पकड़े गए। टीम ने मौके से सभी अवैध केबल जब्त कर लिए और साक्ष्य के लिए फोटोग्राफी भी कराई। सभी आरोपियों के खिलाफ बिजली चोरी का मुकदमा दर्ज कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। अभियान में अवर अभियंता दीपक, पवन, सचिन, कर्मचारी भरत और राजकुमार सहित अन्य विद्युत कर्मी मौजूद रहे।

# गर्म बयार ने सताया, उमस से परेशानी

गर्म बयार से बचने के लिए मुंह पर कपड़ा लगाए महिलाएं।

**यूनिक समय, मथुरा।** मानसून की बारिश का अब हर ओर इंतजार है। आसमान पर सुबह से रात तक कई बार बादल छाए हुए तो दिखते हैं, लेकिन उम्मीद की बूंद नहीं गिरती है। अब ऐसे मौसम से दिन और रात का तापमान फिर से उछाल भरने लगा है, गर्म बयार फिर से मुश्किल बनने लगी है। शनिवार को भी गर्म बयार और उमस लोगों के लिए परेशानी की वजह बनी।

सुबह आसमान पर कुछ देर के लिए हल्के बादल दिखे, लेकिन बरस नहीं सके। बयार के बाद यह गायब हो गए तो आसमान साफ हो गया। इसके बाद उमस हो गई। दिन चढ़ने के साथ मौसम गर्म होने लगा तो बयार भी गर्म होकर लोगों के लिए परेशानी की वजह बनती रही। सुबह से रात तक गर्म बयार और

## अधिकतम तापमान फिर 41 डिग्री सेल्सियस पार

## न्यूनतम भी आगे बढ़ा मानसून है अभी गायब

उमस ने लोगों को जमकर परेशान किया। ऐसे मौसम से दिन का अधिकतम तापमान 40.5 डिग्री सेल्यियस दर्ज किया गया, जबकि रात का तापमान 28 डिग्री सेल्सियस रहा।

मौसम विज्ञानी नरेंद्र कुमार के अनुसार, मौसम विभाग ने जनपद से जुड़ा मौसम का पूर्वानुमान जारी किया है। दो जुलाई तक के लिए जारी किए गए पूर्वानुमान के अनुसार, मौसम साफ रहेगा। इस दौरान आसमान पर हल्के बादल भी छाए रह सकते हैं।

# यमुनापार में मिला महिला का शव हत्या की आशंका से फैली सनसनी

**यूनिक समय, मथुरा।** थाना यमुनापार क्षेत्र में एक महिला का शव मिलने से सनसनी फैल गई। महिला की हत्या किए जाने की आशंका है। मौके पर पहुंची पुलिस ने महिला के शव का पंचनामा करने के बाद मोरचरी भेज दिया।

पुलिस महिला की शिनाख्त के प्रयास कर रही है। थाना प्रभारी निरीक्षक विदुश कुमार ने बताया कि महिला की शिनाख्त नहीं हो सकी है, शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं।

# बंदरों ने बस स्टैंड को बनाया नया ठिकाना

## कैलाश नगर कालोनी में भी बंदरों का बढ़ा आतंक

## डर के मारे लोग हमेशा रहते हैं दहशत में

प्रमुख संवाददाता

वृंदावन स्थित बस स्टेशन पर पहले चित्र में यात्रियों के साथ बैठा एक बंदर। बस स्टेशन परिसर में बैठे बंदरों का नजारा।

**यूनिक समय, वृंदावन।** मंदिरों की नगरी में बंदरों की करतूत किसी से छिपी नहीं है। मंदिरों में दर्शन करने के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के पर्स, मोबाइल और चश्मा छीनने की घटना तो आम हो गई हैं, अब बंदरों ने बस स्टेशन को भी अपना नया ठिकाना बना लिया है। यहां यात्रियों के बीच बंदरों की फौज इधर से उधर भटकती नजर आती है। कभी–कभी बंदर यात्रियों को ऐसी घुड़की मारते हैं कि वह बचाओ–बचाओ करते हुए इधर से उधर भागते नजर आते हैं। बंदरों को देखकर यात्रियों को कुछ खाने से परहेज करना पड़ता है। यदि भूले भटके कोई यात्री या परिवार कुछ खाने के लिए निकाल लेते हैं तो बंदर झपटा मार कर भाग जाते हैं।

यात्री रामदयाल का कहना है कि बस स्टेशन पर कार्यरत कर्मचारी को बंदरों को भागते रहना चाहिए। वरना किसी बंदरों की फौज यात्रियों पर हमले भी कर सकती है। महिला यात्री शांति देवी कहती है कि बच्चों के साथ बस में सफर करने आई थी। बस आने के इंतजार में बस स्टेशन की कुर्सियों पर बैठ गई। यकायक बंदरों की फौज आ गई तो बच्चे डरने लगे। किसी तरह से बंदरों को भगाया, तब तक बच्चे राहत महसूस करने लगे। इसी तरह से मथुरा–वृंदावन विकास प्राधिकरण की कैलाश नगर आवासीय कालोनी में बंदरों की संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ने से लोग दिन भर दहशत में दिखाई देते हैं। बंदरों की फौज कब किस पर हमला कर दें, कुछ कहा नहीं जा सकता है। अब हालात यह हो चले हैं कि कुछ लोग तो अपने हाथ डंडा लेकर चलते हैं, जिससे बंदर देखकर बचा सके। लोगों ने नगर निगम प्रशासन से बंदरों को पकड़वाने की मांग की है। अब एक सप्ताह बाद स्कूल पूरी तरह खुल जाएंगे। छोटे–छोटे बच्चे स्कूल जाएंगे, उस समय बच्चे बंदरों को देखकर खौफ में आ जाएंगे।

# प्रक्रिया पूरी होने के बाद भी ड्राइविंग लाइसेंसों का पता नहीं

प्रमुख संवाददाता

## फिर कैसे चलाएं वाहन सताता है चालान का डर

## मथुरा के लोग कर रहे हैं एक से डेढ़ माह से इंतजार

## डीएल वैधता समाप्त होने के बाद भी 30 दिनों तक वैध

**यूनिक समय, मथुरा।** वाहन चलाना है तो ड्राइविंग लाइसेंस जरुरी है। यदि ड्राइविंग लाइसेंस नहीं होगा तो रास्ते में पकड़े जाने पर चालान का डर होगा, लेकिन ड्राइविंग लाइसेंस के इंतजार में जिले के एक नहीं सैकड़ों लोग हैं। आखिरकार लखनऊ से उनका ड्राइविंग लाइसेंस कब आएगा।

कई लोगों का कहना है कि ऑनलाइन आवेदन, बायोमेट्रिक और ड्राइविंग टेस्ट पास करने के बाद भी उन्हें लंबे समय तक इंतजार करना पड़ता है। यदि डाक के दौरान लाइसेंस गुम हो जाए या पता गलत दर्ज हो जाए तो आवेदकों को दोबारा आवेदन प्रक्रिया पूरी करनी पड़ती है और लगभग 400 रुपये का अतिरिक्त शुल्क भी जमा करना पड़ता है।

पहले ऐसी स्थिति में लखनऊ से वापस आने वाले लाइसेंस एआरटीओ कार्यालय भेज दिए जाते थे, जिससे आवेदक कार्यालय पहुंचकर उन्हें प्राप्त कर लेते थे। अब कई मामलों में यह सुविधा प्रभावी रूप से नहीं मिल पा रही है, जिससे लोगों की परेशानी और बढ़ गई है।

एआरटीओ कार्यालय केअधिकारियों का कहना है कि ड्राइविंग लाइसेंस की प्रिंटिंग और डिस्पैच की प्रक्रिया केंद्रीय स्तर पर होती है। यदि आवेदन में पता गलत दर्ज हो या तकनीकी कारणों से डाक वापस लौट आए, तो लाइसेंस जारी होने में देरी हो सकती है। कहना है कि आवेदकों को आवेदन भरते समय अपना पता और अन्य जानकारी सावधानीपूर्वक दर्ज करनी चाहिए। अब ड्राइविंग लाइसेंस प्रक्रिया में स्थानीय कार्यालय कुछ नहीं कर सकता है।

जुलाई 2026 से नया नियम लागू होगा, जिसके तहत ड्राइविंग लाइसेंस की वैधता समाप्त होने के बाद भी वह 30 दिनों तक वैध माना जाएगा। यानि एक्सपायरी के बाद एक महीने के भीतर आप बिना किसी परेशानी के लाइसेंस रिन्यू करा सकेंगे। इस दौरान यदि कोई दुर्घटना होती है, तो चालक को वैध लाइसेंसधारी की तरह ही माना जाएगा। साथ ही, अब डीएल की नई वैधता रिन्यूअल की तारीख से गिनी जाएगी, न कि पुरानी एक्सपायरी डेट से।